RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 101 , सोमवार, 25 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर एलएनडी कॉलेज का जागरूकता अभियान, नेचर... 03

विशेष समकालीन अभियान में हत्या के प्रयास व शराब कारोबार के 10 आरोपी गिरफ्तार... 04

राम चरण की पेड्डी में धमाकेदार डांस से रंग जमाएंगी श्रुति हासन 07

संक्षिप्त समाचार

पुतिन के 'ब्रह्मास्त्र' से दहल गई यूक्रेन की राजधानी

- रूस ने चलाई परमाणु हमला करने में सक्षम ओरेशनिक मिसाइल

कीव (एजेंसी)। रूस ने शनिवार और रविवार की दरमियानी रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइलों और ड्रोन से भीषण हमला किया है। स्थानीय अधिकारियों ने शुरुआती आंकड़ों में बताया है कि कम से कम 4 लोग मारे गए हैं, जबकि 80 से ज्यादा घायल हुए हैं। रात पर कीव में हवाई हमले के सायरन बजते रहे और हमलों से पूरी राजधानी में धुआं उठता दिखा। रविवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि रूस ने कीव पर हुए भीषण हमले में

ओरेशनिक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है। टेलीग्राम पर एक पोस्ट में वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने इस मिसाइल से कीव क्षेत्र के बिला त्सेर्कवा जिले में हमला किया। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि मिसाइल का लक्ष्य क्या था। यह तीसरी बार है जब रूस ने इस मिसाइल का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में किया है। रूस की यह हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल परमाणु और पारंपरिक हथियार ले जाने में सक्षम है।

रूस पर हमले का लिया बदला- रूस ने यूक्रेन के ड्रोन हमले के जवाब में शनिवार और रविवार की रात कीव पर कार्रवाई शुरू की। इस दौरान कीव के ऊपर मिसाइलों और ड्रोन की बौछार कर दी, जिससे शहर के मध्य में स्थित सरकारी कार्यालय, आवासीय भवन और स्कूल के पास की इमारतें प्रभावित हुईं।

मैं आयरन लेडी, लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी

- मायावती ने कार्यकर्ताओं को दी चेतावनी, मुस्तैद रहो

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर लखनऊ में रविवार को बड़ी बैठक की। पार्टी नेताओं से सख्त लहजे में कहा- चुनाव की तैयारी में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पार्टी संगठन को और ज्यादा चुस्त-दुरुस्त और मुस्तैद रहने की जरूरत है। विरोधी दलों की हर चाल का पूरी मजबूती से जवाब देना होगा। मायावती ने यूपी की जनता से अपील की कि बसपा और उसके आयरन लेडी

नेतृत्व पर फिर से भरोसा करना होगा। विरोधी दलों की संकीर्ण और छलावापूर्ण राजनीति से बचना होगा। 5वीं बार बसपा की सरकार बनानी होगी। बैठक में बूथ स्तर से लेकर जिला, विधानसभा और प्रदेश स्तर के पदाधिकारी शामिल हुए। सभी ने अपनी-अपनी रिपोर्ट पेश की। मायावती ने पार्टी के नेताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, पार्टी के लिए आर्थिक सहयोग जुटाने और सभी वर्गों में जनाधार बढ़ाने के लिए कहा।

धन्नासेठों के पक्ष में बनी नीतियों से जनता को नुकसान हो रहा - मायावती ने कहा- देश के मौजूदा राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक हालात ठीक नहीं हैं। बड़े-बड़े पूंजीपतियों और धन्नासेठों के पक्ष में बनी नीतियों से आम लोगों को नुकसान हो रहा है। सरकारों को अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

मोदी सरकार में पहली बार हुआ मंत्रियों का रिव्यू

'संतोषजनक' रेटिंग के बाद हरकत में आए मिनिस्टर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रालयों का रिव्यू किया गया, जिसमें प्रदर्शन के आधार पर कई मंत्रालयों को संतोषजनक श्रेणी में रखा गया है। इस मूल्यांकन का खास महत्व है क्योंकि सरकार की ओर से जब भी कैबिनेट का विस्तार किया जाएगा तो मंत्रालयों का यही रिपोर्ट कार्ड निर्णायक साबित होगा। एनडीटीवी के मुताबिक, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक बैठक की, जिसमें कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन ने सरकार के सभी मंत्रालयों के कामकाज पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। मंत्रालय को मूल्यांकन का मुख्य पैमाना मंत्रियों की ओर से शिकायत का निवारण और फाइलों के निपटारे दिखाई गई फुर्ती थी।

फाइलें लंबित न रहें और शिकायतें सुलझनी चाहिए

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डिजिटल प्लेटफॉर्म, डेटा शेयरिंग, डेटा-बेस्ड डिसीजन लेने और मंत्रालयों के बीच सहयोग जैसे अन्य क्षेत्रों ने भी सरकार की रिपोर्ट कार्ड प्रक्रिया में भूमिका निभाई। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने मंत्रालयों से कहा है कि फाइलें लंबित नहीं रहनी चाहिए और शिकायतें भी अनसुलझी नहीं रहनी चाहिए। पीएम मोदी ने मंत्रालयों को विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं की पहचान करने और उनके समाधान खोजने का आह्वान किया। मंत्रालयों से यह बताने को कहा गया है कि काम में क्या बाधाएं आती हैं, किन रुकावटों के कारण निर्णय लेने, उनके कार्यान्वयन और लाभ वितरण में देरी होती है और इन समस्याओं को दूर करने के लिए क्या सुधार किए जा सकते हैं।

होर्मुज खुलेगा! जल्द मिलेगी 'गुड न्यूज'

ईरान-अमेरिका युद्ध पर आने वाली है बड़ी खबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी जंग के बीच दुनिया को एक बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। इस युद्ध में 60 दिनों के लिए सीजफायर आगे बढ़ सकता है, लेकिन उससे भी बड़ी बात यह है कि इस सीजफायर के तहत स्ट्रेट ऑफ होर्मुज भी खुल सकता है। ये ऐलान किसी और ने नहीं बल्कि खुद अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने किया है। भारत आए रूबियो ने कहा कि जल्द ही अमेरिका-ईरान जंग पर गुड न्यूज मिलने वाली है। मार्को रूबियो ने कहा कि अमेरिका-ईरान संघर्ष को लेकर कुछ ही घंटों में कोई घोषणा होने की संभावना है। दिल्ली में मौजूद रूबियो ने इसे दुनिया के लिए अच्छी खबर बताते हुए ईरान के साथ किसी संभावित समझौते की ओर इशारा किया। उनका यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस स्टेटमेंट के कुछ ही घंटों बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वॉशिंगटन 60 दिनों के लिए संघर्ष-विराम (सीजफायर) बढ़ाने के करीब है, जिसमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलना भी शामिल है। बता दें कि अमेरिका, ईरान और कई अन्य देशों के बीच एक समझौते पर काफी हद तक बातचीत हो चुकी है, जिसे अब बस अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।

भारत से विदेश मंत्री मार्को रूबियो का बड़ा ऐलान

भारत 25-30 साल में सबसे बड़ा हथियार निर्यातक होगा

राजनाथ बोले-रक्षा उत्पादन में निजी कंपनियों की बढ़ेगी हिस्सेदारी

अहिल्यानगर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के शिर्डी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को एनआईबीई ग्रुप की रक्षा उत्पादन इकाई का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जो भारत कभी हथियारों का आयातक माना जाता था, उसे अगले 25-30 वर्षों में दुनिया का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक बनने से अब कोई ताकत नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि सरकार रक्षा उत्पादन में निजी कंपनियों की हिस्सेदारी 50 फीसदी तक बढ़ाना चाहती है। राजनाथ सिंह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ पूरी फैक्ट्री का निरीक्षण किया और भारत के पहले 300 किलोमीटर रेंज वाले यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चिंग सिस्टम 'सूर्यास्त्र' को हरी झंडी दिखाई।

भविष्य के युद्धों में ऑटोमेशन होगा निर्णायक

रक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य के युद्धों का परिणाम सेनाओं के आकार से नहीं, बल्कि गोला-बारूद, तकनीक और ऑटोमेशन में किसी देश की क्षमता से तय होगा। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया की स्थिति में इसकी झलक देखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत ने भी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ऐसी क्षमता का प्रदर्शन किया है। हर जगह सैनिकों की तैनाती संभव नहीं होती, इसलिए आधुनिक हथियार और स्वचालित प्रणालियां भविष्य के युद्धों में बड़ी भूमिका निभाएंगी।

भारत में प्रतिभा और नवाचार की कोई कमी नहीं

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि है और उनकी प्रेरणा से भारत महाराष्ट्र में आत्मनिर्भरता का मजबूत किला खड़ा कर रहा है। उन्होंने एनआईबीई ग्रुप के एमडी गणेश निबे की सराहना करते हुए कहा कि इस परियोजना ने यह साबित किया है कि भारत में प्रतिभा और नवाचार की कोई कमी नहीं है। राजनाथ सिंह ने कहा, जो देश अपने हथियार खुद बनाता है, वह अपना भाग्य और इतिहास भी खुद लिखता है। उन्होंने कहा कि जब सरकार की दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र का नवाचार साथ आते हैं, तब देश नई ऊंचाइयों तक पहुंचता है। उन्होंने कहा कि निजी कंपनियां अब सिर्फ छोटे-छोटे पुर्जे नहीं बना रहीं, बल्कि आधुनिक हथियार और रक्षा सिस्टम भी तैयार कर रही हैं। राजनाथ सिंह ने बताया कि 5,000 से अधिक वस्तुओं की सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची तैयार की गई है, जिन्हें भारतीय सशस्त्र बलों के लिए देश में ही खरीदना अनिवार्य किया गया है।

देश के बड़े शहरों में 25-60 फीसदी तक की पानी बर्बादी

मुंबई में भोपाल-इंदौर की जरूरत से ज्यादा पानी बर्बाद; इंदौर में 65 फीसदी पानी लीकेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के लगभग सभी बड़े शहरों में 25-60 फीसदी तक पानी बर्बाद हो रहा है। या तो पेयजल लाइनों में बड़े लीकेज हैं या फिर पाइपलाइन में अवैध कनेक्शन जोड़ लिए गए हैं। हालात ये हैं कि मुंबई को रोज लगभग 3,850 एमएलडी (मिलियन लीटर रोज) पानी सप्लाई होता है। इसमें से करीब 30 फीसदी लीकेज माना जाता है। रोज लगभग 1000 एमलडी पानी पाइपलाइन लीकेज व अन्य तरह से बेकार जा रहा है। ये बर्बाद पानी इंदौर-भोपाल की कुल रोजाना जरूरत से भी ज्यादा है। इन दोनों शहरों को रोज 900 एमएलडी ही पानी चाहिए। स्मार्ट

सिटी और अमृत 2.0 जैसी परियोजनाओं के तहत 2016 में शहरी निकायों ने सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन (एससीएडीए) प्रोजेक्ट शुरू किया था। इसके तहत लीकेज और चोरी वाले नॉन रिवेन्यू वाटर (एनआरडब्ल्यू) को घटाकर 20 फीसदी पर लाने का लक्ष्य था। इस प्रोजेक्ट के तहत पिछले 10 साल में करीब 1.5 लाख करोड़ खर्च किए जा चुके हैं, फिर भी हालात नहीं बदले। भोपाल-इंदौर शहरों में पानी का लीकेज 35-65 फीसदी तक है। भोपाल ने तो 2021 तक ही पेयजल लीकेज 16 फीसदी करने का दावा किया था।

देस में पानी पर कहां-कितना खर्च

इंदौर में जलूद से नर्मदा जल 70 किमी दूर शहर तक लाने और इसे 600 मीटर की ऊंचाई तक पंप करने पर प्रति हजार लीटर 29 रु. खर्च आता है। इसमें हर माह बिजली बिल ही 25 करोड़ का है। 65 फीसदी पानी की बर्बादी के हिसाब से 15 करोड़ का नुकसान हो रहा है। मुंबई में 16,092 करोड़ खर्च करके जो पानी पहुंचाया जा रहा है, उसमें से करीब 4,500 करोड़ लीकेज और चोरी के कारण बर्बाद हो रहा है। बेंगलुरु में पानी सप्लाई का सालाना खर्च 10 हजार करोड़ रु. है। लीकेज 35 फीसदी है। मतलब 3,500 करोड़ की बर्बादी। देश के प्रमुख 166 जलाशयों में पानी कम है।

ईरान की धमकी, संवर्धित यूरेनियम किसी को नहीं देंगे

- डील फाइनल होने की चर्चा के बीच दिखाए तेवर, परमाणु मुद्दे पर झुकने से इनकार

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार को सौंपने से इनकार कर दिया है। ईरान ने कहा है कि उसका परमाणु मुद्दा अमेरिका के साथ प्रारंभिक समझौते में शामिल नहीं है।

ईरान की ओर से रविवार को यह दावा ऐसे समय सामने आया है, जब कुछ घंटे पहले ही अमेरिकी मीडिया में दावा किया गया था कि तेहरान अपना हाईली एनरिच्ड यूरेनियम स्टॉक अमेरिका को सौंपने के लिए तैयार हो गया है। रॉयटर्स ने एक वरिष्ठ ईरानी सूत्र के हवाले से बताया है कि तेहरान ने अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार को सौंपने पर सहमति नहीं दी है। सूत्र ने कहा कि ईरान का परमाणु मुद्दा, अमेरिका के साथ हुए शुरुआती समझौते का हिस्सा नहीं था।

पश्चिम बंगाल में डिपोर्टेशन के लिए बनेंगे होल्डिंग सेंटर

बांग्लादेशी घुसपैठियों व रोहिंग्याओं की होगी मुश्किल!

- शुभेंदु सरकार का बड़ा ऐलान, सभी डीएम को दिया आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार ने अवैध घुसपैठ पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रदेश सरकार ने सभी जिला प्रशासनों को निर्देश दिया है कि अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों को पकड़ने के बाद उन्हें होल्डिंग सेंटर में रखा जाए और फिर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंपा जाए। इससे पहले मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि राज्य में कोई स्थायी डिटेंशन कैंप नहीं बनाए जा रहे हैं, बल्कि निर्वासन प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए अस्थायी हिरासत केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा रुख बिल्कुल साफ है- पहचान करो, सूची से हटाओ और बाहर निकालो।

केंद्रीय अधिसूचना के अनुरूप कार्रवाई

बताया जा रहा है कि यह निर्देश केंद्रीय गृह मंत्रालय की 2 मई 2025 की अधिसूचना के आधार पर जारी किया गया है। सुधार गृहों से रिहा विदेशी नागरिकों को भी आगे की कार्रवाई तक होल्डिंग सेंटर में रखा जाएगा। दोषी पाए गए घुसपैठियों को सीधे बीएसएफ के हवाले कर दिया जाएगा। बीएसएफ बाद में इनकी निर्वासन प्रक्रिया पूरी करेगा। वहीं, सरकार ने स्पष्ट किया है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत आने वाले और 31 दिसंबर 2024 से पहले राज्य में प्रवेश कर चुके व्यक्तियों को कानूनी नागरिकता देने पर विचार किया जाएगा।

पता लगाओ, हटाओ और निर्वासित करो नीति

सरकार के आधिकारिक निर्देश के अनुसार, 31 दिसंबर 2024 के बाद भारत में घुसे अवैध बांग्लादेशी या रोहिंग्या अप्रवासियों की पहचान होने पर उन्हें निर्वासन तक होल्डिंग सेंटर में रखा जाएगा। जिलाधिकारियों को तत्काल ऐसे केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु ने बंग भवन में मीडिया से बातचीत में कहा कि पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के विपरीत, वर्तमान भाजपा सरकार घुसपैठियों को कोई शरण, आर्थिक मदद, आवास, स्वास्थ्य सुविधा या कानूनी सहायता नहीं देगी।

विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहे राहुल गांधी

बीजेपी ने कहा-मोदी सरकार गिराना चाहती है कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर देश में अराजकता पैदा कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को अस्थिर करने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहे हैं। बीजेपी सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि गांधी की 'साजिश' तब उजागर हो गई, जब उन्होंने मंगलवार को कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक में कथित तौर पर कहा कि मोदी सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी।

विदेशी एजेंडा चलाने का लगाया आरोप

पात्रा ने एक वीडियो संदेश में कहा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर दुस्साहस दिखाया है। उन्होंने कल एक बैठक में कहा कि मोदी सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी। राहुल गांधी दंगे भड़काकर और अराजकता के जरिये सरकार को गिराने की कोशिश कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पोखर में डूबने से वृद्ध की दर्दनाक मौत, गांव में मचा कोहराम

बीएनएम@ डुमरियाघाट। डुमरियाघाट थाना क्षेत्र की उत्तरी हुसैनी पंचायत के कस्बा टोला गांव में शुक्रवार को पोखर में डूबने से एक वृद्ध की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान 60 वर्षीय शिवपूजन पासवान के रूप में हुई है। वह कस्बा टोला निवासी स्वर्गीय राम पासवान के पुत्र बताए जाते हैं। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार शिवपूजन पासवान शुक्रवार को घर से खाना खाने के बाद बगीचे की रखवाली करने के लिए निकले थे। काफी देर तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। इसी दौरान पोखर के समीप फूलवारी में खेल रहे कुछ बच्चों ने पानी में एक शव तैरता देखा। बच्चों ने इसकी सूचना गांव वालों को दी, जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही डुमरियाघाट थाना अध्यक्ष विवेक कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को पोखर से बाहर निकलवाया। इसके बाद आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मोतिहारी भेज दिया गया। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

अवैध मादक पदार्थ तस्कर गिरोह का पर्दाफाश, 500 ग्राम स्मैक, 65,200 रुपये नकद के साथ एक अरेस्ट

बीएनएम@हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भगवानपुर थाना क्षेत्र में एक बड़े तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 500.4 ग्राम हेरोइन (स्मैक) और 65,200 रुपये नकद के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक वैशाली के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। भगवानपुर थाना पुलिस को 24 मई 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि विक्रम कुमार अपने दो साथियों के साथ अपने जीजा शंकर राय के घर हेरोइन लेकर आया है। इस सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2, लालगंज के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शंकर राय के बहलोलपुर स्थित घर पर छापा मारा। तलाशी के दौरान, पुलिस ने शंकर राय के घर से 500.4 ग्राम हेरोइन (जिसकी वाणिज्यिक मात्रा है) और 65,200 रुपये नकद जब्त किए। मौके से शंकर राय को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी शंकर राय ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह अपने साले विक्रम कुमार और दो अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करता था और मुनाफे को आपस में बांट लेता था। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपये बताई जा रही है। वैशाली पुलिस ने इस बड़ी खेप को तस्करी से पहले ही जब्त कर लिया। इस संबंध में भगवानपुर थाना में कांड संख्या 196/26 दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस फरार चल रहे विक्रम कुमार और उसके अन्य दो साथियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

सोनपुर मंडल ने पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाया, विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष गतिविधियां आयोजित

बीएनएम@हाजीपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल ने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विशेष गतिविधियों का आयोजन किया। इस अभियान के तहत मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर स्थापित प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीनों के रखरखाव, कार्यप्रणाली और उपयोगिता की विस्तृत समीक्षा की गई। इसका उद्देश्य प्लास्टिक कचरे का प्रभावी और वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित करना था। इसके साथ ही, रेलवे स्टेशनों पर संचालित वेंडर स्टॉल्स की सघन निगरानी के लिए विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया गया। संबंधित वेंडरों को पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए जागरूक और प्रेरित भी किया गया। सोनपुर मंडल द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य रेलवे परिसरों में स्वच्छता बनाए रखना, प्लास्टिक प्रदूषण को कम करना तथा यात्रियों एवं आमजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। मंडल प्रशासन ने सभी रेल कर्मचारियों, यात्रियों और आम नागरिकों से प्लास्टिक मुक्त एवं स्वच्छ भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है। पूर्व मध्य रेलवे का सोनपुर मंडल पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लगातार मजबूत कर रहा है, ताकि हरित भविष्य की दिशा में सार्थक कदम उठाए जा सकें।

राजद के पूर्व विधायक मुकेश रौशन बोले- लाल या हरे रंग के गमछे पर नहीं होनी चाहिए चर्चा

बीएनएम@हाजीपुर। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के महुआ से पूर्व विधायक मुकेश रौशन ने वैशाली के भगवानपुर में एक निजी कार्यक्रम के दौरान एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नेता और मंत्री अभी 'हनीमून पीरियड' में हैं और वे गधे पर भी चढ़ सकते हैं। मुकेश रौशन ने यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचाने की अपील के संदर्भ में की। उनके अनुसार, वर्तमान में नेता और मंत्री एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जहां वे किसी भी हद तक जा सकते हैं, यहां तक कि गधे की सवारी भी कर सकते हैं। अपने बयान में, मुकेश रौशन ने एक और तुलना की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार लाल कपड़ा देखकर सांड भड़कता है, ठीक उसी तरह हरा कपड़ा देखकर भाजपाई भड़कते हैं। यह बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। मुकेश रौशन ने बिहार की नई सरकार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मंत्री अभी 'हनीमून पीरियड' में हैं। उन्होंने जोर दिया कि यदि वे इस अवधि से बाहर आ गए हैं, तो उन्हें बिहार के शिक्षित बेरोजगार युवाओं की चिंता करनी चाहिए। रौशन ने कहा कि चर्चा लाल या हरे रंग के गमछे पर नहीं होनी चाहिए, बल्कि महंगाई और बेरोजगारी को दूर करने पर होनी चाहिए। उन्होंने बेरोजगारी को 'सबसे बड़ा दल' बताया और सरकार से महंगाई के इस दौर में बेरोजगारों को रोजगार दिलाने पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की।

झाड़ी में मिला युवक का शव, घर से चाय पीकर निकला था, मौके से शर्ट-मोबाइल बरामद

बीएनएम@मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में संदिग्ध हालत में एक युवक की मौत हो गई। घर से 300 मीटर की दूरी पर बांस की झाड़ी में शव मिला है। मृतक की पहचान रमाशंकर मिश्रा के पुत्र गुलशन कुमार(25) के रूप में हुई है। घटना मनियारी थाना क्षेत्र के सिलौथ वासुदेव गांव की है। ग्रामीणों के अनुसार, रविवार सुबह कुछ बच्चे सूखी पत्तियां चुनने के लिए बगीचे की तरफ गए थे। इसी दौरान उनकी नजर बांस की झाड़ी में अचेत पड़े गुलशन पर पड़ी। इस हालत में देखकर बच्चे डर गए और चीखने-चिल्लाने लगे। बच्चों की आवाज सुनकर आसपास खेत में काम कर रहे परिजन मौके पर पहुंचे। पिता रमाशंकर मिश्रा ने बताया कि गुलशन बेंगलुरु की एक निजी कंपनी में काम करता था। करीब एक महीने पहले ही घर आया था। रविवार सुबह करीब 8 बजे चाय पीकर घर से टहलने के लिए निकला था। वो मोबाइल पर किसे से बात कर रहा था। ढाई घंटे बाद उसकी मौत की सूचना मिली। गुलशन जब घर से निकला था, तब उसने शर्ट और पैंट पहन रखी थी। लेकिन जहां उसकी लाश मिली, वहां उसका शर्ट शरीर से उतरा हुआ था। बगल में ही मोबाइल पड़ा था। ग्रामीण और परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। जानकारी मिलते ही मनियारी पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए तुरंत शव को अपने कब्जे में लिया। साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) की टीम को बुलाया। पुलिस ने मौके से मृतक का मोबाइल और उसका शर्ट जब्त कर लिया है। डीएसपी पश्चिमी-2 अनिमेश चंद्र ज्ञानी ने बताया कि मनियारी क्षेत्र में एक युवक का शव बरामद हुआ है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। मामला संदिग्ध है, इसलिए पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों ही पहलुओं को ध्यान में रखकर गहराई से जांच-पड़ताल कर रही है।

नई गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन पर 1 प्रतिशत सेस लगेगा

बीएनएम@ पटना

- **डिप्टी सीएम ने कहा- अतिरिक्त राशि क्लाइमेट फंड में जमा होगी, पर्यावरण संरक्षण में इस्तेमाल होंगे रुपए**

डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने रविवार को जदयू ऑफिस में पीसी की। उन्होंने पेट्रोल-डीजल की कीमत, बिहार में बढ़ते तापमान, पर्यावरण संरक्षण और कानून व्यवस्था को लेकर बयान दिया। विजय कुमार चौधरी ने कहा कि बिहार एनवायरनमेंट फंड यानी क्लाइमेट फंड बनाया जाएगा। राज्य सरकार के सभी विभागों में 0.25 प्रतिशत सेस लगाया जाएगा। इसके अलावा नई गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन पर भी 1 प्रतिशत सेस लिया जाएगा। यह राशि क्लाइमेट फंड में जमा होगी और इसका इस्तेमाल पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए किया जाएगा। इसके अवाला कहा कि पेट्रोल-डीजल की खपत कम करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लोगों से इसकी खपत कम करने की अपील कर चुके हैं। कई देशों की तुलना में भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें नियंत्रित हैं।

क्या होता है सेस: जब कोई व्यक्ति बिहार में नई गाड़ी खरीदेगा और उसका रजिस्ट्रेशन करवाएगा, तब सरकार उससे रजिस्ट्रेशन फीस के अलावा अतिरिक्त पैसे भी लेगी। इसी अतिरिक्त पैसे को "सेस" कहा जाता है। डिप्टी सीएम के मुताबिक नई गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन पर 1 प्रतिशत सेस लगाया जाएगा। यानी अगर किसी गाड़ी का रजिस्ट्रेशन अमाउंट 10 लाख रुपए है, तो उसके ऊपर 10 हजार रुपए अतिरिक्त देने पड़ सकते हैं। सरकार का कहना है कि यह पैसा सीधे "क्लाइमेट फंड" में जाएगा।

बिहार में लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है: डिप्टी सीएम ने कहा कि पटना का तापमान 41 से 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। दिन के समय ऐसी गर्म हवा चल रही है जैसे आग बरस रही हो। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के एक जिले में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। ऐसे में बिहार के लोगों को अभी से सतर्क होने की जरूरत है। विजय कुमार चौधरी ने कहा कि अगर जलवायु परिवर्तन को लेकर अभी से गंभीर कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में बिहार में भी हालात और खराब हो सकते हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि 2019 में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार थे। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जल-जीवन-हरियाली अभियान की शुरुआत की थी। उस समय मैं विधानसभा अध्यक्ष था और मैंने खुद इस अभियान को गंभीरता से देखा था। अब इस योजना का असर दिखाई दे रहा है। बिहार में भूजल स्तर में सुधार देखने को मिल रहा है और धरती के नीचे पानी की मात्रा बढ़ी है। डिप्टी सीएम ने बिहार के लोगों और उद्योगपतियों से पर्यावरण बचाने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी कहते थे कि पृथ्वी का उतना ही उपयोग करना चाहिए जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए भी संसाधन बचे रहें।

गर्लफ्रेंड की शिकायत पर आरोपी बॉयफ्रेंड गिरफ्तार

शादी की बात करने पर चाकू से किया था हमला

बीएनएम@पटना

IGIMS के सर्जिकल वार्ड के डेटा ऑपरेटर मधेपुरा के मनीष यादव को पटना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मनीष के खिलाफ उसकी गर्लफ्रेंड ने 21 मई को जबरन शारीरिक संबंध बनाने और हमला करने की शिकायत दर्ज कराई थी। युवक शास्त्री नगर इलाके के मछली गली में साईं बाबा के मंदिर के पीछे रेंट पर रहता है। लड़की ने बताया, 'मेरी उससे दोस्ती अक्टूबर 2025 में IGIMS में काम करने के दौरान हुई थी। बातचीत में हमलोग करीब आते गए। शादी का झांसा देकर तब से मनीष मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाने लगा। मुझे काम के साथ-साथ पढ़ाई करने में परेशानी आ रही थी इसलिए मैं IGIMS में काम छोड़कर नाला रोड के एक हॉस्टल में शिफ्ट हो गई। वहां SSC की तैयारी के साथ खर्च के लिए एक निजी नर्सिंग होम में पार्ट टाइम जॉब करने लगी। मनीष से फोन पर बातचीत होती थी। मैं शादी के लिए उसपर दबाव दे रही थी।

इसी बीच 20 मई को उसने मुझे मछली गली के रेंट वाले अपनी रूम पर बुलाया। वहां रात 8 बजे मैं पहुंचीं। वह मुझसे शारीरिक संबंध बनाने की जिद्द करने लगा। मैं बोली अब शादी के बाद ही जो करना होगा करते रहना। इसके बाद उसने जबरदस्ती मेरे साथ संबंध बनाया। मुझे उस रात अपने साथ रोकना चाहता था। इसीलिए मेरे कपड़े, पर्स और मोबाइल फोन छीन लिए'। लड़की ने बताया, 'मैं शादी को लेकर बात करना शुरू की तो मेरे ऊपर चाकू से हमले कर दिए। मेरा पर्स, मोबाइल, कपड़े सब छीन लिए। मेरी आवाज सुनकर मकान मालिक, मालकिन और दूसरे रेंटर आ गए। इसके बाद मनीष पीछे हटा। मुझे IGIMS शिफ्ट कराया गया'। लड़की ने पुलिस को बताया है कि उसके माता-पिता नहीं है। पहले ही मौत हो चुकी है।

पटना- कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर

बीएनएम@ पटना

- **युवक की कमर और हाथ में लगी चोट, ट्रैफिक पुलिस ई-रिक्शा से ले गई अस्पताल**

पटना में चिड़ियाघर गेट नंबर 1 के पास सड़क हादसा हो गया। अज्ञात कार ने बाइक सवार को ठोकर मार दी। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल की पहचान सोनू कुमार के रूप में हुई है। सोनू के कुल्हे, कमर और हाथ पर चोट लगी है। ट्रैफिक पुलिस की मदद से सोनू को LNJP अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के वक्त उसी रूट से ट्रैफिक रेगुलेशन पदाधिकारी आकृति सहाय और उनकी टीम गुजर रही थी। उनकी घायल पर नजर पड़ी और उनलोगों ने ई-रिक्शा से घायल सोनू को अस्पताल पहुंचाया। वहीं, दूसरी तरफ ठोकर मारने के बाद कार चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया है। घटना शास्त्री नगर थाना क्षेत्र की है।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस: घायल सोनू के परिजन को पुलिस की ओर से एक्सीडेंट के बारे में बताया गया है। पुलिस ने अपनी मौजूदगी में प्रथमिक उपचार कराया है। पुलिस ठोकर मारकर भागने वाले आरोपी कार चालक की पहचान में जुट गई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर के पीड़ित के आवेदन के आधार पर पुलिस की ओर से कार्रवाई की जाएगी।

पटना के होटल में पिता के सामने बेटी से छेड़खानी

बीएनएम@ पटना

- **पीड़िता बोली- आधी रात में स्टाफ ने कमरे में आकर हाथ पकड़ा, दूसरे कमरे में शराब पीते पकड़े गए कपल्स**

पटना के होटल में युवती के साथ छेड़खानी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि पीड़ित युवती अपने पिता के साथ होटल में रुकी थी। इसी दौरान शनिवार की आधी रात होटल स्टाफ कमरे में घुसा और युवती को हाथ पकड़कर खींचने लगा। पिता की नींद खुली तो स्टाफ भाग गया। पीड़िता के पिता ने बताया कि घटना के बाद बगल में रहे रहे भजीते को मामले की सूचना दी। वो मौके पर पहुंचकर रुपसपुर थाने को सूचना दी। घटना की सूचना मिलने के बाद डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की टीम ने होटल के कमरों की तलाशी की। इस दौरान 4 लड़कियां और 4 लड़के शराब पीते मिलें, जिन्हें पकड़कर पुलिस थाने ले गई। बेगूसराय की युवती अपने पिता के साथ पॉलिटेक्निक की परीक्षा देने पटना आई थी। एग्जाम देने के बाद वो रात 11 कालिकेट हिडेन विला होटल में कमरा लेकर रुकी।

पीड़िता के पिता ने बताया कि 1000 रुपए में कमरा बुक किया। कमरा नंबर-103 में हम दोनों ठहरे थे। मैं सो गया था। बेटी जगी हुई थी। कमरा अंदर से लॉक नहीं था। इसी बीच रात 12:48 बजे नशे में धुत्त होटल स्टाफ सत्येंद्र कुमार कमरे में घुसा।

मेरी नींद खुली तो देखा कि उसने मेरी बेटी का हाथ पकड़ा है। मैंने उसे बोला क्या बात है, कौन हो तुम, कमरे में कैसे आ गए। इसपर उसने कहा कि बेल बजा रहे थे तो क्यों नहीं उठे आप। वो लड़की के बारे में पूछताछ करने लगा। मैंने जवाब में कहा- लड़की को लेकर कोई डाउट था तो कमरा बुक करते समय आधार कार्ड वेरिफाई कर लेते।

शराब पीते 4 लड़के- 4 लड़कियां मिले: पीड़िता के पिता ने बताया कि घटना की सूचना भतीजे को दी। वो तुरंत होटल पहुंचा। भतीजे ने होटल के काउंटर पर पूछा- कमरे में कौन घुसा था। काउंटर पर बैठे स्टाफ ने कहा कि मालिक का ड्राइवर है। इसके बाद घटना की सूचना डायल-112 को फोन किया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और होटल के सभी कमरों की जांच की। जांच-पड़ताल के दौरान 4 लड़कियां और 4 लड़के शराब पीते मिले। पुलिस के पहुंचते ही होटल मैनेजर फरार हो गया। पुलिस लड़कियों और लड़कों को थाने ले गई।

लड़के-लड़कियों से हो रही पूछताछ: पुलिस ने होटल के कमरों की जांच की तो कमरों में सामान बिखरे थे। टेबल पर खाने-पीने की चीजें रखी हुई थी। इसके अलावा कुछ आपत्तिजनक सामान भी मिले। पुलिस ने बताया कि पड़के गए लड़के-लड़कियों से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिटी एसपी पश्चिमी भानु प्रताप सिंह ने कहा कि एक लड़की पॉलिटेक्निक का एग्जान देने अपने पिता के साथ आई थी। वो होटल में ठहरे थे। रात में एक व्यक्ति कमरे में घुसा और लड़की के साथ छेड़खानी की। इसको लेकर रुपसपुर थाने में FIR दर्ज की गई है। छेड़खानी करने वाला आरोपी सत्येंद्र (31) को गिरफ्तार किया गया है।

पटना में गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड पर चाकू से हमला

बीएनएम@ पटना

- **मोबाइल छिनने का विरोध करने पर बदमाश ने हाथ-पेट में घोंपा, तमाशा देखते रहे लोग**

पटना में मोबाइल छिनने का विरोध करने पर एक कपल पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। पीड़ित नाबालिग के हाथ में चाकू लगा है। पेट में भी खरोंचे लगी है। घटना 13 मई की शाम 5 बजे सिपारा पुल के पास की है, लेकिन इस घटना का वीडियो शनिवार को सामने आया है। आरोपी की पहचान सौरभ के रूप में हुई है। घटना के 11 दिन बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बेउर थाना प्रभारी अफसर हुसैन ने बताया कि इस मामले में एक युवक के खिलाफ नामजद FIR दर्ज की गई है। उसकी गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

पूरा मामला: पटना के सिपारा पुल इलाके में 13 मई की शाम नाबालिग और उसकी गर्लफ्रेंड एक दुकान पर मोमोज खा रहे थे। इसी दौरान सौरभ नामक युवक आया और मोबाइल छीनने की कोशिश की। नाबालिग और उसकी गर्लफ्रेंड ने आरोपी सौरभ का विरोध किया तो सौरभ ने चाकू से नाबालिग पर हमला करना शुरू कर दिया। इस हमले में हाथ और पेंट में चाकू लगने से नाबालिग घायल हो गया। घायल नाबालिग को स्थानीय लोगों की मदद से पास के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। नाबालिग के अनुसार, हमला करने वाला युवक जक्कनपुर का रहने वाला है। नाबालिग ने मामले को लेकर जक्कनपुर थाना में अपना बयान दर्ज कराया है।

वायरल वीडियो में क्या है?: वायरल वीडियो सिपारा ओवर ब्रिज के नजदीक ऑटो स्टैंड के पास का बताया जा रहा है। वीडियो में दिख रहा है सड़क पर खुलेआम एक युवक हाथ में चाकू लेकर लड़का-लड़की पर ताबड़तोड़ वार कर रहा है। वहीं पीड़ित खुद का बचाने की कोशिश करने के साथ साथ बदमाश से चाकू छिनने का प्रयास कर रहा है। इस दौरान उसकी गर्लफ्रेंड भी बदमाश को हमला करने से रोकने की कोशिश करती दिखाई दे रही है। इस दौरान आसपास बड़ी संख्या में लोग मौजूद है। सभी लोग मारपीट देख रहे हैं, लेकिन किसी ने बीच-बचाव नहीं किया।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस: बेउर थाना प्रभारी अफसर हुसैन ने बताया कि आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। उसकी गिरफ्तारी के बाद मामले का खुलासा हो पाएगा।

14 साल का रिकॉर्ड टूटा डेहरी का पारा 45.1 डिग्री

बीएनएम@पटना

- खगड़िया-बेतिया में तापमान 40 डिग्री पार, 4 जिलों में हीट वेव, 5 में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने आज 4 जिलों में हीट वेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 5 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। यहां गरज के साथ बिजली भी गिर सकती है। करीब 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। रविवार की दोपहर में खगड़िया और बेतिया का अधिकमत तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पार हो गया। लोग भीषण गर्मी से बेहाल हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले 5 दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बादल छाए रहेंगे। इस दौरान आंधी-बारिश और तेज हवा चलने की संभावना है।

बिहार में इस बार मई की गर्मी ने नया इतिहार लिख दिया है। शनिवार को रोहतास के डेहरी 45.1 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा है। ये केवल इस साल का ही नहीं बल्कि 14 साल में मई महीने में सबसे अधिक तापमान है। इससे पहले 22 मई को बिहार का अधिकतम तामपान 44.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। बढ़ती गर्मी की वजह से खगड़िया में स्कूलों की टाइमिंग बदल गई है। अब सभी स्कूल 11 बजे तक संचालित होंगे।

पटना जू में दिखेगा दो सिंग वाला सफेद गैंडा, सिंगापुर से पहुंचेगा पटना

बीएनएम@ पटना

पटना जू में जल्द ही लोगों को नए जानवर देखने को मिलेंगे। दिल्ली और रोहतक जू के बाद अब सिंगापुर से भी जानवर मंगवाने की तैयारी है। पटना जू में दो सिंग वाले सफेद गैंडों का जोड़ा देखने को मिलेगा। इसके बदले में पटना जू से एक सिंग वाले गैंडे का एक जोड़ा सिंगापुर जाएगा। इसके लिए सिंगापुर जू से पटना जू और वन एवं पर्यावरण विभाग के अधिकारी बातचीत कर रहें हैं। एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत जानवरों की अदला-बदली होगी।

पानी के जहाज से आएगा गैंडा: ये दो सिंग वाला गैंडा पानी के जहाज से आएगा। सिंगापुर भारत से जलमार्ग कनेक्टिविटी से भी जुड़ा हुआ है। वहां से समुंद्र मार्ग से ही कोलकाता बंदरगाह तक गैंडा को लाने और वहां से ट्रक पर लादकर सड़क मार्ग से पटना जू लाने की योजना बनाई जा रही है। हवाई मार्ग की बजाय समुंद्र मार्ग के विकल्प को इसलिए तव्ज्जो दी जा रही है, क्योंकि इससे गैंडा को पटना जू लाने या यहां से गैंडा को सिंगापुर जू ले जाने का खर्च बहुत कम हो जाएगा।

वर्तमान में पटना जू गैंडों की संख्या के मामले में एशिया में पहले स्थान पर है। वहीं, दुनिया में दूसरे स्थान पर बना हुआ है। पटना जू में इस समय 10 गैंडे हैं, जिनमें छह मादा और चार नर गैंडा शामिल हैं। सभी गैंडे व्यस्क हैं और सबसे छोटे गैंडे की उम्र पांच वर्ष है। पहले स्थान पर अमेरिका के कैलीफार्निया का सेंट डिएगो जू सफारी है।

बिहार एआई समिट: साइबर सुरक्षा-स्मार्ट गवर्नेंस पर हुई चर्चा, विशेषज्ञों ने दिखाया विजन

बीएनएम@पटना

पटना में पहली बार आयोजित हो रहे 'बिहार एआई समिट 2026' के दूसरे और अंतिम दिन आज युवाओं, स्टार्टअप्स और तकनीकी विशेषज्ञों का उत्साह देखने को मिला। पहले दिन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा बिहार के लिए जल्द ही 'एआई पॉलिसी' लाने की घोषणा के बाद, आज दूसरे दिन का पूरा सत्र इसके क्रियान्वयन और भविष्य के रोडमैप पर केंद्रित रहा। आज 'लेट्स इंस्पायर बिहार' के संस्थापक विकास वैभव (IPS) ने गया जी से वर्चुअली जुड़कर समिट को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए गए 'बिहार @ 2047 विज़न डॉक्यूमेंट' में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एक प्रमुख टूल माना गया है। इसके जरिए राज्य विकास की दौड़ में लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है।

आज के तकनीकी सत्रों में एआई के जन बिंदुओं पर हुई चर्चा: साइबर सुरक्षा: बढ़ते डिजिटल फ्रॉड से निपटने और सुरक्षित डेटा प्रबंधन के लिए एआई टूल्स के इस्तेमाल पर चर्चा हुई।

स्मार्ट गवर्नेंस: सरकारी सेवाओं की डिलीवरी को बेहतर बनाने और प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने के तरीकों पर विशेषज्ञों ने अपने फ्रेमवर्क साझा किए।

हेल्थकेयर और शिक्षा: बिहार के ग्रामीण इलाकों तक एआई-संचालित स्वास्थ्य सेवाएं और छात्रों के लिए व्यक्तिगत शिक्षण (Personalized Learning) मॉडल्स को जमीन पर उतारने का खाका तैयार हुआ।

नितेश मिश्रा ने कार्यक्रम को किया संबोधित: मंत्री नीतीश मिश्रा ने समिट के दौरान देश-विदेश में रह रहे बिहार मूल के प्रवासियों, उद्यमियों और प्रोफेशनल्स से अपनी मातृभूमि की ओर लौटने की अपील की। उन्होंने कहा कि बिहार अब सिर्फ कार्यबल देने वाला राज्य नहीं रहेगा, बल्कि इनोवेशन और टेक्नोलॉजी लीडर बनकर उभरेगा। कार्यक्रम में शामिल हुए स्थानीय छात्रों और डेवलपर्स ने कहा कि इस समिट से उन्हें नई तकनीकों को करीब से जानने और समझने का एक शानदार एक्सपोजर मिला है, जो उनके रोजगार और स्टार्टअप के सपनों को नई उड़ान देगा। साथ ही जो विभिन्न स्टार्टअप्स आई है, उनसे भी बात करके बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

5 हजार का इनामी और बेल बॉन्ड जंप आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। लखौरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आर्म्स एक्ट एवं स्पीडी ट्रायल के दौरान फरार चल रहे 5 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी बेल बॉन्ड जंप कर लंबे समय से फरार था। पुलिस के अनुसार, लखौरा थाना कांड संख्या 22/24 आर्म्स एक्ट मामले में वांछित अभियुक्त भड्डू कुमार, पिता रक्तु सहनी, निवासी लखौरा पुरवारी टोला, थाना लखौरा, जिला पूर्वी चंपारण को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस ने बताया कि भड्डू कुमार का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ छौड़ादानों थाना कांड संख्या 316/23 में लूट, कांड संख्या 324/23 में आर्म्स एक्ट तथा लखौरा थाना कांड संख्या 326/23 में लूट, कांड संख्या 372/23 एवं 22/24 में आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं। छापेमारी दल में लखौरा थानाध्यक्ष प्रवीन कुमार पासवान, अपर थानाध्यक्ष प्रवीन कुमार एवं पीटीसी कन्हैया कुमार शामिल थे। मोतिहारी पुलिस ने कहा है कि अपराधियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी रहेगी तथा फरार आरोपितों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

कुर्की के दबाव में 12 अभियुक्तों ने किया आत्मसमर्पण, मोतिहारी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में फरार अभियुक्तों के खिलाफ चलाए जा रहे कुर्की अभियान का असर अब साफ दिखने लगा है। मोतिहारी पुलिस की लगातार दबिश और कार्रवाई के भय से हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, चोरी, धोखाधड़ी, मारपीट, आर्म्स एक्ट और शराब कांड के कुल 12 अभियुक्तों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस के अनुसार, भोपतपुर थाना कांड संख्या 105/24 के अभियुक्त हृदयानंद तिवारी, कोटवा थाना के शराब कांड के अभियुक्त शंशु शाह, गोविंदगंज थाना के जालसाजी मामले के अभियुक्त चिरंजीव राय, नगर थाना के चोरी कांड के अभियुक्त बली महतो, चिरैया थाना के हत्या के प्रयास मामले के अभियुक्त दीनानाथ राय तथा पहाड़पुर थाना के धोखाधड़ी मामले के अभियुक्त रामाधार सिंह ने पुलिस के समक्ष सरेंडर किया। इसके अलावा बंजरिया थाना के लूट एवं डकैती कांड के अभियुक्त नरेश साहनी और भूअर साहनी, ढाका थाना के हत्या के प्रयास मामले के अभियुक्त मुस्लिम मियां, आर्म्स एक्ट मामले के अभियुक्त सोनू खां, तुरकौलिया थाना के हत्या के प्रयास मामले के अभियुक्त छोटन मियां, पहाड़पुर थाना के मारपीट मामले के अभियुक्त विकास पासवान उर्फ विकेश पासवान तथा घोड़ासहन थाना के धोखाधड़ी मामले के अभियुक्त शेख रहमतुल्लाह ने भी आत्मसमर्पण किया है। मोतिहारी पुलिस ने बताया कि सभी मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिलेभर में फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं कुर्की अभियान लगातार जारी है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

रामगढ़वा थाना क्षेत्र में लूट कांड का खुलासा, महिला आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण पुलिस ने रामगढ़वा थाना क्षेत्र में हुए दो लूट कांडों का सफल उभेदन करते हुए गिरोह से जुड़ी एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से लूट के चांदी के आभूषण भी बरामद किए हैं। मामले में अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रामगढ़वा थाना कांड संख्या 235/26 दिनांक 14 मई 2026 में वादी से ग्राम भटिया स्थित पुलिया के समीप अज्ञात अपराधियों ने लगभग एक किलो चांदी एवं 20 ग्राम सोना लूट लिया था। वहीं थाना कांड संख्या 237/26 दिनांक 16 मई 2026 में बेला जाने वाली सड़क पर ट्रांसफॉर्मर के पास अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर वादी की मोटरसाइकिल रोक ली और डिक्की में रखे करीब 600 ग्राम चांदी, चार ग्राम सोना तथा मोटरसाइकिल लूटकर फरार हो गए थे। मामले के अनुसंधान, तकनीकी साक्ष्यों एवं गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह से जुड़ी एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार महिला से पूछताछ जारी है तथा मामले में शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी और लूटे गए सामान की बरामदगी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के पास से तीन जोड़ी चांदी जैसा पायल बरामद किया है। बरामद पायलों में 47 ग्राम, 68 ग्राम और 43 ग्राम वजन के पायल शामिल हैं। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रक्सौल मनीष आनंद, पुलिस निरीक्षक सह अंचल निरीक्षक अनुज पाण्डेय, सह थानाध्यक्ष राजीव कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सुमित कुमार प्रसाद, मनीष कुमार प्रसाद, रेणु कुमारी, प्रिया कुमारी एवं रामगढ़वा थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

समकालीन अभियान में पूर्वी चम्पारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 24 घंटे में 286 गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण पुलिस ने विशेष समकालीन अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए पिछले 24 घंटे में जिलेभर से कुल 286 लोगों को गिरफ्तार किया है। अभियान पुलिस उप-महानिरीक्षक, चम्पारण क्षेत्र बेतिया के निर्देश पर 23 मई 2026 को चलाया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गिरफ्तार किए गए 286 आरोपितों में से 248 अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। अभियान के दौरान विभिन्न कांडों, वारंटों एवं अन्य मामलों में कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, कांडों में कुल 167 गिरफ्तारी तथा वारंट मामलों में 119 गिरफ्तारी की गई। वहीं एक कुर्की का निष्पादन किया गया तथा 13 इश्तिहारों का तामिला भी कराया गया। थाना वार कार्रवाई में पताही थाना क्षेत्र से सर्वाधिक 25 गिरफ्तारी हुई। हरसिद्धि थाना क्षेत्र में कुल 10 गिरफ्तारी की गई, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। वहीं गहुआवा थाना क्षेत्र से नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। पूर्वी चम्पारण पुलिस ने कहा है कि अपराध नियंत्रण, फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगे भी विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने आम लोगों से कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की है।

हरिहरा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में सरकारी दवाइयां जलाने का वीडियो वायरल, स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल

बीएनएम @ मोतिहारी/चिरैया

मोतिहारी/चिरैया। चिरैया प्रखंड के हरिहरा गांव स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी लापरवाही सामने आई है। सरकारी दवाइयों को जलाने का कथित वीडियो वायरल होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी समय पर नहीं आते हैं, जिससे मरीजों को समुचित इलाज नहीं मिल पाता। लोगों का कहना है कि लंबे समय से अस्पताल में दवाइयों का सही तरीके से वितरण नहीं किया जा रहा था। कई दवाइयां गोदाम में बोरियों में बंद पड़ी रहीं, जहां नमी और गंदगी के

कारण उनमें दीमक लग गई और बड़ी मात्रा में दवाइयां खराब हो गईं। आरोप है कि जब मामला बढ़ने लगा तो अस्पताल कर्मियों ने खराब हो चुकी दवाइयों को चुपचाप जलाकर खत्म करने की कोशिश की। इसी दौरान कुछ ग्रामीणों ने अस्पताल के पीछे आग जलती देख मौके पर पहुंचकर वीडियो बना लिया। वायरल वीडियो में बड़ी संख्या में सरकारी दवाइयों की बोतलें और पैकेट जलते दिखाई दे रहे हैं। कई दवाइयों पर साफ तौर पर "बिहार सरकार सप्लाई – नोट फॉर सेल" लिखा नजर आ रहा है, जिससे यह सरकारी आपूर्ति की दवाइयां होने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, जिन दवाइयों को जलाया जा रहा था, उनमें कई की एक्सपायरी डेट जुलाई 2026 तक थी। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि यदि दवाइयां उपयोग योग्य थीं तो उन्हें मरीजों के बीच वितरित क्यों नहीं किया गया। लोगों का कहना है कि समय पर वितरण होता तो गरीब और जरूरतमंद मरीजों को इसका लाभ मिल सकता था। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल अक्सर डॉक्टर विहीन रहता है। कई मरीज इलाज कराने पहुंचते हैं लेकिन उन्हें बिना इलाज लौटना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार, अस्पताल सिर्फ कागजों पर संचालित हो रहा है, जबकि जमीनी स्थिति बेहद खराब है। वायरल वीडियो में एक बोलेरो गाड़ी (नंबर BR05PA 2706) में भी कथित रूप से एक्सपायर दवाइयां रखे होने की बात सामने आ रही है। हालांकि इस दावे की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। वीडियो वायरल होने के बाद पूरे इलाके में चर्चा तेज हो गई है। ग्रामीण स्वास्थ्य विभाग से जवाब मांग रहे हैं कि आखिर लाखों रुपये की सरकारी दवाइयां खराब कैसे हो गईं। लोगों का कहना है कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि गरीबों के हक और सरकारी संसाधनों के साथ खिलवाड़ है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अंडर प्रोटेस्ट मैच में सैंट जार्ज हाई स्कूल मोतिहारी बनी विजेता

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के भवानीपुर जिरात स्थित नेहरू स्टेडियम में आयोजित आशीर्वाद मेमोरियल इंटर स्कूल टी- 20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में इमैनुएल स्कूल मोतिहारी ने सैंट जार्ज हाई स्कूल मोतिहारी को 7 विकेट से पराजित किया। हालांकि यह मुकाबला "अंडर प्रोटेस्ट" खेला गया था, जिसमें इमैनुएल स्कूल मोतिहारी के खिलाड़ी अकरम अली को दोषी पाए जाने के बाद मैच रेफरी ने क्रिकेट नियमों के अनुसार सैंट जार्ज हाई स्कूल मोतिहारी को विजेता घोषित किया। संवाद प्रेषित करते मीडिया प्रभारी प्रीतेश रंजन ने बताया कि फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सैंट जार्ज हाई स्कूल की टीम 9.4 ओवर में 49 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से अजमल ने सर्वाधिक 12 रन बनाए। इमैनुएल स्कूल की ओर से रजनीश एवं अनुराग

ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4-4 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इमैनुएल स्कूल की टीम ने रजनीश के नाबाद 21 रन तथा साहिद के नाबाद 16 रन की बदौलत 10.5 ओवर में 3 विकेट खोकर 53 रन बनाकर मैच जीत लिया। लेकिन टीम के एक खिलाड़ी के अंडर प्रोटेस्ट दोषी पाए जाने के कारण इमैनुएल स्कूल को उपविजेता ट्रॉफी से संतोष करना पड़ा। इमैनुएल पब्लिक स्कूल के खिलाड़ी रजनीश को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच में अंपायर की भूमिका बीसीए ग्रेड लेवल-ए के वेदप्रकाश एवं शत्रुधन कुमार ने निभाई, जबकि स्कोरर की जिम्मेदारी अस्मित एवं आशिक ने संभाली। मैच रेफरी की भूमिका मो. तैयब ने निभाई। समापन अवसर पर मुख्य अतिथियों में ईसीडीसीए सचिव रवि राज, डॉ. अतुल कुमार, अनील वर्मा, सुशील कुमार, डॉ. अमित, डॉ. फैसल परवेज खान, महफूज रहमान खान, एडवोकेट कमलेश कुमार, मो. आलम, रामप्रकाश सिन्हा, विजय यादव, राशिद जमाल खान, मो. रेहान, इब्राहिम लोधी, इंजीनियर अजय आजाद, अभय आनंद, शाहिद हसन, सचिन सहनी, मो. रेयान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुंशी सिंह महाविद्यालय में इग्नू इंडक्शन मीटिंग आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर के मुंशी सिंह महाविद्यालय स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र के अंतर्गत अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन मीटिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नव नामांकित विद्यार्थियों को इग्नू की शैक्षणिक व्यवस्था, अध्ययन पद्धति एवं विभिन्न सुविधाओं की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, दरभंगा के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. आकाश अवस्थी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इग्नू दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, असाइनमेंट तथा ऑनलाइन सुविधाओं का समुचित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. अवस्थी ने कहा कि इग्नू सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का बेहतर अवसर प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि इग्नू ने शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग करते हुए दूर-दराज के इलाकों तक अपनी पहुंच बनाई है, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस अवसर पर मुंशी सिंह महाविद्यालय स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. ए.के. रंजन ने विद्यार्थियों को

अध्ययन केंद्र की गतिविधियों, परीक्षा प्रक्रिया, अध्ययन सामग्री एवं शैक्षणिक सहयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. जमुना राम ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, नियमित अध्ययन एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन केंद्र समन्वयक डॉ. ए.के. रंजन ने किया। इंडक्शन मीटिंग में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्ययन केंद्र के कर्मी राजीव रंजन कुमार सिंह, संतोष कुमार, अनिल सिंह, कुमार संभव एवं प्रहलाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह जानकारी केंद्र समन्वयक डॉ. ए.के. रंजन के हवाले से महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी।

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर एलएनडी कॉलेज का जागरूकता अभियान, नेचर एंड बर्ड वॉक का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर गांधी मैदान में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जीवविज्ञानी सहायक प्राध्यापक डॉ. नीरज कुमार के नेतृत्व एवं संरक्षण में प्रातः छह बजे से साढ़े नौ बजे तक नेचर एंड बर्ड वॉक के तहत शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। छात्र-छात्राओं के दल को रवाना करते हुए एलएनडी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने कहा कि जैविक संसाधन मानवता के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जैव संसाधन और जैव विविधता के बिना संसार की कल्पना अधूरी है। जंतु विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में एलएनडी कॉलेज के जंतु विज्ञान

स्नातक छठे सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं के साथ एमएसएससजी कॉलेज अरेराज की छात्राओं ने भी भाग लिया। इस दौरान विद्यार्थियों को डिजिटल कैमरा, बाइनोकुलर, जीपीएस मशीन, फील्ड वर्क एवं डाटा कलेक्शन की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि नेचर एंड बर्ड वॉक के दौरान पक्षियों की 20, तितलियों की 11, ड्रैगनफ्लाई की छह तथा डैमसेलफ्लाई की तीन प्रजातियों का अवलोकन किया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न जीव-जंतुओं एवं पक्षियों की तस्वीरें भी कैमरे में कैद कीं। भ्रमण के दौरान ब्लैक काइट, रुफस ट्रीपाई, ब्लैक ड्रोंगो, बार्बेट, इंडियन स्कोप्स आउल, ओरिएंटल मैगपाई रॉबिन, रोज रिंग्ड पैराकीट, लिटिल इग्रेट, एशियन कोयल, जंगल बैब्लर, बार्न स्वालो एवं पर्पल सनबर्ड समेत कई पक्षियों की प्रजातियां देखी गईं। वहीं डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष का विषय "एक्टिंग लोकली फॉर ग्लोबल इम्पैक्ट" रखा गया है। उन्होंने कहा कि जैव विविधता पृथ्वी पर जीवन की विविधता और प्राकृतिक संतुलन का आधार है तथा इसके संरक्षण के लिए जनजागरूकता आवश्यक है। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को प्रकृति से जोड़ना, जैव विविधता संरक्षण के प्रति प्रेरित करना तथा उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक नागरिक बनाना है। कार्यक्रम में अमन राज, अश्मित कुमार, अमन कुमार, राकेश कुमार, सानिया मिश्रा, निक्की कुमारी, अनुष्का कुमारी, पल्लवी कुमारी, आराध्या, पलक वर्मा, प्रियांशी राय, विभा कुमारी, रूप कुमारी, पीयूष कुमार सहित अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

चाय की दुकान में छापेमारीः 123 ग्राम गांजा और गोगो पेपर के साथ दुकानदार गिरफ्तार

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। गुप्त सूचना के आधार पर अरेराज पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चाय की दुकान में छापेमारी कर भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद किया है। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुकानदार को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, अरेराज

थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी को एक गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में एक चाय की दुकान की आड़ में नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार संचालित किया जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी के नेतृत्व में तुरंत एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया और उक्त ठिकाने पर योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की गई। विशेष टीम द्वारा दुकान की सघन तलाशी लिए जाने के क्रम में मौके से 123 ग्राम अवैध गांजा और धूम्रपान के लिए इस्तेमाल होने वाला 31 पीस गोगो रोलिंग पेपर बरामद किया गया। नशीले पदार्थों की इस बरामदगी के बाद पुलिस ने दुकानदार को मौके पर ही हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हरदीया ग्राम (थाना अरेराज, जिला पूर्वी चंपारण) निवासी मुकेश गुप्ता के रूप में हुई है, जो फुलेना साह का पुत्र बताया गया है। अरेराज पुलिस द्वारा इस मामले में सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है, और पुलिस इस अवैध धंधे के मुख्य स्रोतों का पता लगाने में जुटी है।

कांग्रेस के संगठन सृजन जनसंपर्क अभियान का प्रशिक्षण शिविर आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला कांग्रेस कमेटी, मोतिहारी के बैनर तले रविवार को संगठन सृजन साथी जनसंपर्क अभियान के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता संगठन सृजन साथी जनसंपर्क अभियान के मोतिहारी प्रभारी संजीव कुमार सिंह उर्फ टुन्नी सिंह ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक राशिद चौधरी एवं विजय प्रताप सिंह शामिल हुए। दोनों नेताओं ने संगठन सृजन साथी जनसंपर्क अभियान की गति तेज करने पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में मोतिहारी जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष प्रो. अखिलेश दयाल उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार मोतिहारी जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिले के सभी 13 प्रखंडों का दौरा किया जा रहा है तथा पंचायत एवं गांव स्तर पर लोगों

को जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि पूरे बिहार के 53 सांगठनिक जिलों में मोतिहारी जिला कांग्रेस कमेटी प्रथम स्थान प्राप्त करेगी। कार्यक्रम में पूर्वी चम्पारण कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र शुक्ला, महिला कांग्रेस की पूर्व जिलाध्यक्ष बच्ची पांडे, कांग्रेस नेता तनवीर खां, प्रदेश डेलिगेट मुमताज आलम, बीडी राम, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष बिट्टू यादव, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष कुमार आशीष, विजय कांत त्रिपाठी, विजय कुमार जयसवाल उर्फ मुनमुन जयसवाल, बगहा संगठन सृजन पर्यवेक्षक अनवर आलम अंसारी, राजेश्वर कुमार जयसवाल, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव प्रीतम अग्रवाल, अफरोज आलम, राहुल कुमार शर्मा, मुन्नी सहनी, विजय यादव, असहाबुल होदा उर्फ छोटू, सद्दाम हुसैन, नसीबुल्लाह आलम, देशबंधु तिवारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चंपारण प्रमंडल में व्यवसायिक प्रगति को लेकर मंथन, 2026-27 के लिए तय हुए महत्वाकांक्षी लक्ष्य

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर के प्रधान डाकघर में चंपारण प्रमंडल के अधीक्षक मुकेश कुमार लश्कर की अध्यक्षता में व्यवसाय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में प्रमंडल अंतर्गत सभी पोस्टमास्टर, डाक सहायक, पोस्टमैन एवं एमटीएस कर्मियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान विगत वित्तीय वर्ष में डाक विभाग द्वारा किए गए व्यवसायिक कार्यों, योजनाओं की प्रगति तथा राजस्व वृद्धि की विस्तृत समीक्षा की गई। अधीक्षक लश्कर ने कर्मचारियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पिछले वर्ष जिस उत्साह, प्रतिबद्धता एवं कार्यगति के साथ विभागीय दायित्वों का निर्वहन किया गया, उसी ऊर्जा और समर्पण के साथ आगामी वित्तीय वर्ष में भी कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि डाक विभाग केवल पत्र वितरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आज यह जनविश्वास, वित्तीय समावेशन एवं सरकारी योजनाओं के

प्रभावी क्रियान्वयन का मजबूत माध्यम बन चुका है। ऐसे में प्रत्येक कर्मचारी की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सभी उप डाकघरों को 1320 खातों तथा सभी शाखा डाकघरों को 520 खातों का व्यवसायिक लक्ष्य निर्धारित कर सौंपा गया। अधिकारियों ने लक्ष्य प्राप्ति हेतु टीमवर्क, जनसंपर्क एवं सेवा गुणवत्ता को प्राथमिकता देने पर बल दिया। इस अवसर पर सहायक डाक अधीक्षक पंकज कुमार, पूर्वी अनुमंडल के डाक निरीक्षक पंकज कुमार पंकज, पश्चिमी अनुमंडल के डाक निरीक्षक कमलेश प्रसाद साह, उत्तरी अनुमंडल के डाक निरीक्षक कल्याण कमलेश तथा दक्षिणी अनुमंडल के डाक निरीक्षक आशीष भारद्वाज उपस्थित रहे। बैठक का समापन विभागीय लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति एवं बेहतर डाक सेवाएं उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ हुआ।

संक्षिप्त समाचार

अतिक्रमण हटाने के दौरान प्रशासनिक टीम पर पथराव, एक गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया। अस्पताल रोड स्थित अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान प्रशासनिक टीम पर हमला और पथराव किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में नगर निगम के एक कर्मी एवं एक महिला सिपाही घायल हो गईं। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शुक्रवार को लगभग 12:30 बजे अनुमंडल पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में नगर निगम द्वारा अस्पताल रोड में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही थी। इसी दौरान कुछ असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए प्रशासनिक कार्य में बाधा उत्पन्न की। आरोप है कि उपद्रवियों ने प्रशासनिक टीम के साथ बहस करते हुए ईंट-पत्थर चलाकर हमला कर दिया। घटना में नगर निगम के सफाई निरीक्षक जुलूम साह एवं एक महिला सिपाही घायल हो गईं। दोनों का इलाज जीएमसीएच बेतिया में कराया गया। मामले को लेकर नगर निगम कर्मी जुलूम साह के लिखित आवेदन पर नगर थाना में कांड संख्या 323/26 दिनांक 23 मई 2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज एवं उपलब्ध वीडियो के आधार पर घटना में शामिल उपद्रवी तत्वों की पहचान की गई। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दिलीप कुमार, पिता बिगु प्रसाद, निवासी कोटवा थाना पहाड़पुर जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार कर लिया है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1, नगर थानाध्यक्ष, अपर थानाध्यक्ष, पुलिस निरीक्षक मोहम्मद अकबर, पुलिस अवर निरीक्षक विश्वजीत कुमार, प्रदीप कुमार, परिवीक्षाधीन पुलिस अवर निरीक्षक निशा सहित नगर थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी शामिल थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

डुमरिया गांव में सड़क हादसा : सीएनजी टेंपो ने बाइक सवार को मारी टक्कर, हालत नाजुक

बीएनएम@डुमरियाघाट। स्टेट हाईवे 74 पर डुमरिया गांव के समीप रविवार देर संध्या एक अनियंत्रित टेंपो ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद टेंपो चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। जख्मी युवक की पहचान पकड़ी डुमरिया गांव निवासी शकूर मियां के 25 वर्षीय पुत्र परवेज आलम के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार परवेज आलम चिकन की दुकान चलाते हैं। वह रोजाना की तरह रविवार संध्या भी बाइक से अपने घर से डुमरिया बाजार स्थित दुकान जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रही एक सीएनजी टेंपो ने सामने से उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि परवेज आलम गंभीर रूप से जख्मी होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना परिजनों को दी और युवक को प्राथमिक उपचार के लिए रामपुर खजुरिया स्थित एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उन्हें मोतिहारी रेफर कर दिया। मोतिहारी पहुंचने पर डॉक्टरों ने युवक की नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बेला पंचायत में 18 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत से सनसनी, हत्या की आशंका

बीएनएम @रामगढ़वा। रामगढ़वा प्रखंड क्षेत्र के बेला पंचायत स्थित पचभेड़िया गांव में 18 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान पचभेड़िया गांव निवासी जगदीश पंडित के 18 वर्षीय पुत्र अर्जुन पंडित के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्जुन पंडित चंडीगढ़ में रहकर मेहनत-मजदूरी करता था और कुछ दिनों पूर्व ही घर लौटा था। बताया जाता है कि घटना वाली रात उसने परिवार के साथ भोजन किया और सोने चला गया। देर रात करीब एक बजे जब उसकी मां की नींद खुली तो अर्जुन बिस्तर पर नहीं था। इसके बाद परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। रातभर परिवार और ग्रामीण गांव के विभिन्न स्थानों पर अर्जुन की तलाश करते रहे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। सुबह ग्रामीणों को सूचना मिली कि घर से कुछ दूरी पर अर्जुन का शव पड़ा हुआ है। शव मिलने की खबर फैलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। बताया जाता है कि अर्जुन तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में हाथ बंटाता था। युवक की मौत के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। स्थानीय लोग इसे सुनियोजित हत्या बताते हुए प्रशासन से जल्द कार्रवाई और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस मृतक के मोबाइल कॉल डिटेल खंगालने के साथ-साथ आसपास के संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर रही है, ताकि घटना के कारणों का पता लगाया जा सके। फिलहाल गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है और लोग प्रशासन से शीघ्र न्याय की मांग कर रहे हैं।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग तेज, मुस्लिम संगठनों ने भी उठाई आवाज

बीएनएम @ बेतिया। देश में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। अब इस मांग को मुस्लिम समाज और विभिन्न मुस्लिम संगठनों की ओर से भी समर्थन मिलने लगा है। सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों का कहना है कि गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने से उसके संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा गौकशी और गौतस्करी जैसी समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सकेगा। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुरैया शहाब ने केंद्र सरकार से गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस विषय को लेकर देशभर में मुस्लिम संगठनों, उलेमाओं और शिक्षाविदों के बीच भी चर्चा तेज हुई है और कई लोग गोवंश संरक्षण के पक्ष में आवाज उठा रहे हैं। सुरैया शहाब ने कहा कि "गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा मिलने से उसके संरक्षण को मजबूती मिलेगी। साथ ही प्रतिबंधित मांस के निर्यात, बिक्री और सेवन पर सख्ती से रोक लगाने की दिशा में भी कदम उठाए जा सकेंगे, जिससे गौकशी और गौतस्करी जैसी समस्याओं में कमी आएगी।" उन्होंने यह भी कहा कि गोवंश से जुड़े मुद्दों को लेकर कई बार देश में सांप्रदायिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसे मामलों में हिंसा, आगजनी, मारपीट और अन्य घटनाएं भी सामने आती रही हैं। उनका मानना है कि इस विषय पर स्पष्ट और प्रभावी नीति बनाकर सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की दिशा में पहल की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि देश में लंबे समय से विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई जाती रही है। हालांकि अब तक केंद्र सरकार की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। वहीं, अब मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों द्वारा भी इस मांग का समर्थन किए जाने से इस मुद्दे को नया आयाम मिल रहा है।

बेतिया पुलिस में पदस्थापन, शिकरपुर थाना को मिले नए थानाध्यक्ष

बीएनएम @बेतिया। बेतिया पुलिस प्रशासन ने विधि व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस पदाधिकारियों के पदस्थापन में बदलाव किया है। इस संबंध में बेतिया पुलिस द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई है। जारी आदेश के अनुसार, पुलिस निरीक्षक ज्वाला सिंह को पुलिस केंद्र, बेतिया में पदस्थापित किया गया है। इससे पहले वे शिकरपुर थाना में पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष के पद पर कार्यरत थे। वहीं पुलिस निरीक्षक मनोज कुमार सिंह को शिकरपुर थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। इससे पूर्व वे तकनीकी शाखा, पुलिस चंपारण बेतिया में प्रभारी के रूप में कार्यरत थे। साथ ही वे योगापट्टी अंचल में अतिरिक्त प्रभार के तहत पुलिस पदाधिकारी की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। बेतिया पुलिस ने कहा है कि अपराध नियंत्रण एवं विधि व्यवस्था संधारण को लेकर प्रशासन लगातार सक्रिय है और बेहतर पुलिसिंग के लिए आवश्यक प्रशासनिक बदलाव किए जा रहे हैं।

SHANTINIKETAN JUBILEE SCHOOL
MOTIHARI, E. CHAMPARAN
SHANTINIKETAN JUBILEE SCHOOL
Shantipuri, Rahman Colony, Motihari, E. Champaran - 845401

विशेष समकालीन अभियान में हत्या के प्रयास व शराब कारोबार के 10 आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। हरसिद्धि थाना पुलिस ने विशेष समकालीन अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए हत्या के प्रयास, उत्पाद अधिनियम एवं वारंटी मामलों में कुल 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सभी गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत माननीय न्यायालय में उपस्थापन हेतु भेज दिया गया। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 423/20 दिनांक 08 अक्टूबर 2020 में हत्या के प्रयास के मामले में छह वर्षों से फरार चल रहे अभियुक्त प्रमोद पासवान (35 वर्ष), पिता महेंद्र पासवान, निवासी मठ लोहियार को गिरफ्तार किया गया। वहीं थाना कांड संख्या 273/20 दिनांक 02 जुलाई 2020 के हत्या के प्रयास मामले में छह वर्षों से फरार अभियुक्त सुखली देवी (50 वर्ष), पति महेंद्र मांझी, निवासी धवही को भी पुलिस ने दबोच लिया। इसके अलावा थाना कांड संख्या 339/22 दिनांक 17

जुलाई 2022 के हत्या के प्रयास मामले में अभियुक्त ब्रह्मा सिंह (55 वर्ष), पिता स्वर्गीय भुनेश्वर सिंह, निवासी मठ लोहियार को गिरफ्तार किया गया। थाना कांड संख्या 282/26 दिनांक 23 मई 2026 में हत्या के प्रयास की आरोपी बिंदु देवी (35 वर्ष), पति जयप्रकाश सिंह, निवासी लौकरिया तथा थाना कांड संख्या 281/26 दिनांक 23 मई 2026 के हत्या के प्रयास मामले में अभियुक्त अनिरुद्ध कुमार (35 वर्ष), पिता पन्नालाल सिंह, निवासी लौकरिया को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। वहीं थाना कांड संख्या 275/21 दिनांक 11 जुलाई 2021 धारा 272/273 आईपीसी एवं 30(ए) बिहार मद्य निषेध अधिनियम 2016 के वांछित शराब कारोबारी सुबोध यादव (30 वर्ष), पिता भरत यादव, निवासी हरसिद्धि अहीर टोली तथा उत्पाद कांड संख्या 710/24 के वांछित अभियुक्त शराब कारोबारी रंजन साहनी (32 वर्ष), पिता वकील साहनी, निवासी धवही को भी गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त 25 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ शराब कारोबारी उदय पटेल, पिता सुभाष पटेल, निवासी गायघाट को गिरफ्तार किया गया। वहीं गैर जमानती वारंटी रामबली पंडित (40 वर्ष), पिता रामराज पंडित, निवासी धवही नन्हकार तथा वारंटी चन्देश्वर दास (44 वर्ष), पिता बहादुर दास, निवासी घोघरहा को भी गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि विशेष समकालीन अभियान के तहत फरार अपराधियों, वारंटियों एवं शराब कारोबारियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है और अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कुर्की अभियान के दबाव में दो वारंटियों ने किया आत्मसमर्पण

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के गड्डूपुर गांव में चलाए गए कुर्की अभियान के दौरान दो कुर्की वारंटियों ने पुलिस दबाव के कारण आत्मसमर्पण कर दिया। दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस के अनुसार, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 321/11, धारा 376, 511, 504, 323 एवं 34 भादवि तथा ट्रायल संख्या 316/13 के प्राथमिकी अभियुक्त चम्पा देवी, पति चंद्रमा दास एवं भगवतीया देवी, पति शिवनाथ दास, निवासी गड्डूपुर ने कुर्की वारंट जारी होने और पुलिस कार्रवाई तेज होने के बाद आत्मसमर्पण कर दिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि न्यायालय के निर्देश पर फरार अभियुक्तों के खिलाफ लगातार कुर्की अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस की सख्ती और लगातार दबिश के कारण दोनों वारंटियों ने आत्मसमर्पण किया। थानाध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए आगे भी अभियान जारी रहेगा।

दीनी मिल्ली वेलफेयर ट्रस्ट ने 30 मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। स्थानीय जंगी मस्जिद परिसर में दीनी मिल्ली संयुक्त संगठन एंड वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन कर बिहार बोर्ड, इंटरमीडिएट तथा सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह में 85 प्रतिशत से 97 प्रतिशत तक अंक प्राप्त करने वाले कुल 30 छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो, शील्ड, नगद राशि एवं इस्लामी बुकलेट देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए मेधावी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की उपस्थिति रही। वक्ताओं ने छात्रों को भविष्य में भी मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट के अध्यक्ष मौलाना हसन माविया नदवी, सचिव मौलाना आमीर अराफात कासमी, उपाध्यक्ष मौलाना नजमुद्दीन कासमी, मौलाना महबूब आलम नॉमिनी, मौलाना नियाज अहमद कासमी,

काजी शरीयत मौलाना समसुलहक कासमी सहित कई गणमान्य लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर प्रोफेसर परवेज आलम, प्रोफेसर मोहसिन आलम, प्रोफेसर जाकिर हुसैन कादरी, अख्तर आलम, जाने आलम, डॉ. कमरुज्जमा कमर समेत शहर के शिक्षाविद, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और अभिभावक भी उपस्थित रहे। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के विकास का सबसे मजबूत आधार है। मेधावी छात्रों को सम्मानित करने से अन्य विद्यार्थियों को भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है।

जाली नोट गिरोह का सरगना सुशील तिवारी उर्फ दया तिवारी गिरफ्तार, भारत-नेपाल सीमा पर एसटीएफ ने की कार्रवाई

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा पर लंबे समय से सक्रिय जाली नोटों के अंतरराष्ट्रीय कारोबार के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। आर्मी इंटेलिजेंस लखनऊ और बिहार एसटीएफ की संयुक्त टीम ने जाली नोट गिरोह के मुख्य सरगना सुशील तिवारी उर्फ दया तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी पिछले छह महीने से फरार चल रहा था और भारत, नेपाल तथा बांग्लादेश में फैले जाली नोटों के नेटवर्क का संचालन कर रहा था। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, सुशील तिवारी लंबे समय से जांच एजेंसियों की नजर में था। उसकी गिरफ्तारी को अंतरराष्ट्रीय जाली करेंसी गिरोह के खिलाफ बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई से सीमा पार संचालित जाली नोट नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। जानकारी के मुताबिक, बीते 31 जनवरी को हरैया थाना में जाली नोट कारोबार से जुड़ा एक मामला दर्ज किया गया था। उस दौरान हरैया पुलिस ने एक नेपाली नागरिक समेत कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उनके पास से 25 लाख रुपये की नेपाली जाली मुद्रा, 18,500 रुपये की भारतीय जाली मुद्रा, एक

दर्जन मोबाइल फोन, पासपोर्ट, मोटरसाइकिल, कार तथा नोट बनाने में प्रयुक्त रसायन, औजार और 25 बंडल सादा कागज बरामद किए थे। उस कार्रवाई के बाद गिरोह का मुख्य सरगना सुशील तिवारी उर्फ दया तिवारी लगातार फरार चल रहा था। आर्मी इंटेलिजेंस लखनऊ और बिहार एसटीएफ ने सर्विलांस तथा गुप्त सूचना के आधार पर भारत-नेपाल सीमा के पास छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने जाली नोट कारोबार से जुड़े कई अहम खुलासे किए हैं। जांच एजेंसियों के मुताबिक, उसके खिलाफ भारत, नेपाल और बांग्लादेश में जाली नोटों से संबंधित कई मामले दर्ज हैं। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां उसकी निशानदेही पर गिरोह के अन्य सदस्यों और पूरे नेटवर्क की तलाश में जुटी हुई हैं। अधिकारियों का मानना है कि इस गिरफ्तारी से अंतरराष्ट्रीय जाली करेंसी गिरोह की कमर टूट गई है और सीमा पार होने वाले अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने में मदद मिलेगी।

तुरकौलिया चौक पर फिर बढ़ने लगा अतिक्रमण, जाम की समस्या से लोग परेशान

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। सरकार जहां एक ओर चौक-चौराहों और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कर यातायात व्यवस्था सुचारु बनाने में जुटी है, वहीं दूसरी ओर अतिक्रमणकारी दोबारा सड़कों पर कब्जा जमाने से बाज नहीं आ रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण तुरकौलिया चौक और शंकर सरैया चौक पर देखने को मिल रहा है, जहां करीब छह माह पहले प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया था। तत्कालीन अभियान के दौरान अंचलाधिकारी संतोष कुमार के नेतृत्व में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में दोनों चौकों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया था। उस समय प्रशासन ने चेतावनी दी थी कि दोबारा अतिक्रमण करने वालों पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। कार्रवाई के बाद कुछ दिनों तक चौक-चौराहों पर व्यवस्था सुधरी रही और जाम की समस्या से लोगों को राहत मिली थी। लेकिन समय बीतने के साथ ही अतिक्रमणकारी फिर सक्रिय हो गए हैं। सड़कों के किनारे अस्थायी दुकानें सजने लगी हैं और दुकानों के सामने वाहन खड़े किए जाने लगे हैं। वहीं दर्जनों टेंपो चालक सड़क पर ही वाहन खड़ा कर स्थायी स्टैंड की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे यातायात व्यवस्था फिर प्रभावित होने लगी है। बताया जाता है कि तुरकौलिया चौक से महानवा और छपवा के लिए बड़ी संख्या में टेंपो का परिचालन होता है। चालकों ने सड़क पर ही अस्थायी स्टैंड बना लिया है, जिससे छोटे और बड़े वाहनों के चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय राहगीरों चंदन कुमार, बिट्टू कुमार और सतीश कुमार ने बताया कि प्रशासन की नियमित मॉनिटरिंग नहीं होने के कारण आगे से अतिक्रमण हटते ही पीछे से दोबारा कब्जा शुरू हो जा रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे ठेला, ऑटो और अस्थायी दुकानें लगने से जाम की स्थिति बन रही है और आम लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। इस संबंध में सीओ संतोष कुमार ने कहा कि दोबारा अतिक्रमण करने वालों को चिन्हित कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सड़क पर वाहन खड़ा करने वालों से जुर्माना भी वसूला जाएगा।

पताही में "हैप्पी ब्रदर्स डे" की धूम, सोशल मीडिया पर दिखा भाईचारे का अटूट प्यार

बीएनएम @ पताही

पताही। पताही प्रखंड क्षेत्र में ब्रदर्स डे के अवसर पर रविवार को सोशल मीडिया पर भाई-भाई और भाई-बहन के रिश्तों की अनोखी झलक देखने को मिली। सुबह से ही फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर "Happy Brothers Day" के संदेश, तस्वीरें और भावनात्मक स्टेटस की भरमार रही। लोगों ने अपने भाइयों के साथ पुरानी यादों को साझा करते हुए रिश्तों की मिठास और अपनापन बयां किया। कई लोगों ने अपने पोस्ट में लिखा कि भाई सिर्फ एक रिश्ता नहीं, बल्कि जीवनभर साथ निभाने वाला सबसे मजबूत सहारा होता है। सोशल मीडिया पर भाइयों के साथ बचपन की तस्वीरें, संघर्ष के दिनों की यादें और भावुक संदेश लोगों का ध्यान आकर्षित करते रहे। इसी बीच पताही प्रखंड के जिहुली गांव निवासी तथा Indian Council of Agricultural Research नई दिल्ली में कार्यरत रामनिवास कुमार ने भी ब्रदर्स डे के मौके पर अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा कि "भाई-भाई का प्यार सबसे गहरा और निस्वार्थ रिश्ता होता है, जो हर सुख-दुख में एक-दूसरे का सहारा बनता है।" रामनिवास कुमार ने कहा कि "शायद मुझसे ज्यादा कोई नहीं जानता कि एक बड़ा भाई अपने छोटे भाई के लिए क्या-क्या कर सकता है। बड़े भाई का प्यार, त्याग और संघर्ष ही छोटे भाई की सबसे बड़ी ताकत बनता है। भाई सिर्फ परिवार का सदस्य नहीं, बल्कि हर मुश्किल में साथ खड़ा रहने वाला सबसे भरोसेमंद साथी होता

है।" उन्होंने आगे कहा कि बदलते समय और व्यस्त जीवनशैली के बावजूद भाइयों के बीच का भावनात्मक रिश्ता आज भी उतना ही मजबूत है, जितना पहले हुआ करता था। ब्रदर्स डे जैसे अवसर रिश्तों को और अधिक मजबूत बनाने का काम करते हैं। पताही प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में भी इस दिन को लेकर खासा उत्साह देखा गया। युवाओं ने अपने भाइयों के साथ तस्वीरें और स्टेटस साझा कर इस खास दिन को यादगार बनाया। कुल मिलाकर ब्रदर्स डे ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि डिजिटल युग में भी रिश्तों की भावनाएं उतनी ही मजबूत, जीवंत और दिल को छू लेने वाली हैं।

ट्रंप प्रशासन की नीति भारत को मंजूर नहीं है?

व्यापार वार्ता में शामिल भारतीय अधिकारियों ने अमेरिका के सामने अब तक यह स्पष्ट क्यों नहीं किया है कि हर रियायत झटकने के बाद नया दबाव बना देने की ट्रंप प्रशासन की नीति भारत को मंजूर नहीं है?

भारत की दलीलों को डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने स्वीकार नहीं किया। उसने अमेरिका की 2026 की विशेष 301 रिपोर्ट की निगरानी सूची में भारत को बनाए रखा है। इसका मतलब है कि बौद्धिक संपदा संबंधी नियमों में ढील देने के लिए अमेरिका भारत पर दबाव बनाए रखेगा। वह चाहता है कि भारत अपने दवा क्षेत्र को संरक्षण देने वाले कानून बदल दे, ताकि अमेरिकी कंपनियां यहां ज्यादा मुनाफा कमा सकें। धारा 301 अमेरिका का अपना कानून है। इसके बावजूद इसके तहत हुई जांच में भारत ने हिस्सा लिया। सुनवाई के दौरान दलील दी भारत के बौद्धिक संपदा संबंधी नियम विश्व व्यापार संगठन के कायदों के अनुरूप हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में और आम जन को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए भारतीय दवा कंपनियों को वैधानिक संरक्षण दिया गया है। साथ ही भारत ने अपने पेटेंट कानून में जरूरी सुधार किए हैं, ताकि आविष्कार भावना और जन हित दोनों के हित सध सकें। लेकिन ट्रंप प्रशासन के कदम से जाहिर है कि उसने इन तर्कों को ठुकरा दिया। उसने भारत पर तलवार लटकाए रखने का फैसला किया है। इसका संकेत है कि आगे चल कर इसके तहत वह प्रतिबंध या ऊंचा शुल्क लगाने जैसी कार्रवाइयां कर सकता है। उसने ये नजरिया तब अपनाया है, जब बताया गया है कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते की वार्ता में अच्छी प्रगति हुई है। मुद्दा यह है कि क्या भारत ये वार्ता अपने ऊपर लटक रही ऐसी तलवारों के साये में कर रहा है? अपेक्षित यह है कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते में तमाम क्षेत्रों में कारोबार से जुड़ी पेचीदगियों को हल कर लिया जाए। यह तो नहीं हो सकता कि कुछ वस्तुओं के आयात- निर्यात पर सहमति बने, जबकि कुछ मामलों में अमेरिका दबाव बनाए रखे। अमेरिका के ताजा कदम से यह सवाल उठना लाजिमी है कि भारतीय वार्ताकार सौदेबाजी कर रहे हैं या वे सिर्फ अमेरिकी वार्ताकारों से डिक्टेशन ले रहे हैं? उन्होंने अब तक यह स्पष्ट क्यों नहीं किया है कि हर रियायत झटकने के बाद नया दबाव बना देने की ट्रंप प्रशासन की नीति भारत को मंजूर नहीं है?

मीडिया : हमको आईना दिखाना है दिखा देते हैं

तनवीर जाफ़री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों संयुक्त अरब अमीरात,नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली देशों का दौरा किया। इस दौरान नॉर्वे की एक घटना ने एक बार फिर मीडिया उसके कर्तव्य व दायित्व को लेकर बहस छेड़ दी। दरअसल ओस्लो में जब मोदी, नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ जैसे ही मंच से जाने लगे उसी समय एक युवा महिला पत्रकार हेला लिंग ने मोदी को संबोधित करते हुये कुछ सवाल पूछे। हेला लिंग ने पूछा प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस से सवाल क्यों नहीं लेते? मोदी पत्रकार के सवाल का जवाब दिए बिना ही वहां से चले गए। इस घटना के फ़ौरन बाद भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा उसी जगह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई जिसमें पत्रकार हेला लिंग को भी बुलायागया। वहाँ भी हेला लिंग ने भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड और प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर कई तीखे सवाल पूछे, जिस पर भारतीय अधिकारियों ने भारत के लोकतांत्रिक ढांचे और विकास का हवाला देते हुए अपना पक्ष रखने का प्रयास किया।

परन्तु नॉर्वे की इस घटना पर भारतीय गोदी मीडिया ने युवा साहसी महिला पत्रकार हेला लिंग को ही कटघरे में खड़ा कर दिया और उन्हें मीडिया के कर्तव्य व दायित्व बोध का पाठ पढ़ने लगा। गोदी मीडिया ने महिला पत्रकार के इस तरीक़े को सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की रणनीति क़रार दिया। वहीँ भारत के ही स्वतंत्र, डिजिटल,वैकल्पिक,निष्पक्ष व सोशल मीडिया ने पत्रकार हेला की जमकर तारीफ़ की। इस वर्ग ने हेला लिंग के साहस की सराहना की और इसे सच्ची पत्रकारिता का उदाहरण बताया तथा इस पूरी घटना को वैश्विक स्तर पर प्रेस की आज़ादी और लोकतंत्र में जवाबदेही से जोड़कर देखा। कुछ स्वतंत्र विचारकों और कई सोशल मीडिया पोर्टल्स ने तो इस अवसर का प्रयोग उन गोदी पत्रकारों पर तंज़ कसने के लिए किया जो सत्ता से सवाल पूछने के बजाये सत्ता की ख़ुशामद में लगे रहते हैं। यही वजह है कि जो सवाल भारत के शीर्ष मुख्यधारा के पत्रकारों को पूछने चाहिए थे वही सवाल एक विदेशी पत्रकार को पूछने पड़ रहे हैं।

दरअसल 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने अब तक एक भी नियमित संवाददाता सम्मेलन आयोजित नहीं किया है। अपने एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं बताया था कि वे पुरानी परिपाटी जहाँ नेता मीडिया के माध्यम से अपनी बात प्रसारित करते थे, के बजाय सीधे जनता के बीच जाकर काम करने और नई कार्य संस्कृति स्थापित करने पर विश्वास रखते हैं। मन की बात,सार्वजनिक रैलियां,चुनावी सभाएं, सम्पादकीय पृष्ठ के अपने आलेख,किसी कार्यक्रम स्थल पर आयोजित जन सभा

आदि के माध्यम से जनता से इकतरफ़ा संवाद करना प्रधानमंत्री का पसंदीदा तरीक़ा है। जबकि भारत के लगभग सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की यह नियमित परंपरा रही थी कि वे विदेश दौरों से लौटने,विमान में या देश में समय-समय पर खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया करते थे।

सच तो यह है कि मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहते मीडिया से जुड़े उनके कुछ ऐसे कटु अनुभव रहे हैं जिसके चलते वे अब पुनः साहसी पत्रकारों से रूबरू होकर पुनः अपनी वैसी फ़ज़ीहत नहीं कराना चाहते। याद कीजिये अक्टूबर 2007 में जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे,उस समय वरिष्ठ पत्रकार करण थापर ने सी एन एन-आई बी एन के प्रसिद्ध शो डेविल्स एडवोकेट के लिए अहमदाबाद में मोदी का इंटरव्यू लिया था। करण थापर ने मोदी से अपने पहले सवाल में ही 2002 के गुजरात दंगों को लेकर पूछा कि दंगों के पांच साल बाद भी उनकी छवि एक क्रूर शासक की बनी हुई है, इसे सुधारने के लिए उन्होंने क्या किया? जब मोदी ने कहा कि जनता उन्हें अच्छे से जानती है, तो थापर ने अगला सवाल किया कि आप यह क्यों नहीं कह देते कि आपको दंगों में मारे गए लोगों का दुख या पछतावा है? क्या सरकार को मुसलमानों की सुरक्षा के लिए और क़दम नहीं उठाने चाहिए थे? इस सवाल पर मोदी पूरी तरह असहज हो गए। उन्होंने कहा कि जो मुझे कहना था, मैं उस समय कह चुका हूँ। परन्तु जब थापर ने बार-बार उसी सवाल को दोहराया, तो मोदी ने इंटरव्यू आगे बढ़ाने से मना कर दिया। 3- 4 मिनट के भीतर ही मोदी ने पानी पीने का बहाना कर अपने कुर्ते पर लगा माइक निकाला और उसे टेबल पर रख दिया। फिर उन्होंने बहुत ही शालीनता से थापर से कहा—दोस्ती बनी रहे। आप यहाँ आए, इसके लिए धन्यवाद। इसके बाद वे कैमरे के सामने से उठकर चले गए।

ऐसी ही दूसरी घटना वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान की है। उस समय वरिष्ठ पत्रकार विजय त्रिवेदी एन डी टी वी के लिए चक्रव्यूह नामक एक शो करते थे। उन्होंने मोदी का इंटरव्यू चुनावी रैली पर जाते समय हेलीकॉप्टर यात्रा के दौरान लिया। त्रिवेदी ने भी मोदी से पूछा कि क्या गुजरात दंगों के लिए भाजपा या उन्हें (मोदी को) माफ़ी मांगनी चाहिए? मोदी ने इस पर कहा कि वे इस विषय पर कई इंटरव्यू में पहले ही बोल चुके हैं। लेकिन जब त्रिवेदी ने लगातार इस सवाल पर दबाव बनाया, तो मोदी का मूड बदल गया। बाद मोदी ने ग़ुस्से में आकर सवालों के जवाब देना पूरी तरह बंद कर दिया और चुप हो गए। मोदी ने अपना ही हाथ आगे बढ़ाकर कैमरे के लेंस को बंद करवा दिया। इसके बाद का पूरा सफ़र दोनों ने बिना एक-दूसरे से बात किए और खिड़की से बाहर देखते हुए बिताया। हेलीकॉप्टर के उतरते ही मोदी ने विजय त्रिवेदी से कहा—विजय भाई, यह हमारी आख़िरी मुलाक़ात है। इसके बाद मोदी अपनी जनसभा को संबोधित करने चले गए। जबकि विजय त्रिवेदी और उनकी टीम को हेलीकॉप्टर से नीचे उतार दिया गया। बाद में त्रिवेदी को संदेश मिला कि मोदी हेलीकॉप्टर लेकर वापस जा चुके हैं। त्रिवेदी और उनकी टीम को वापस लौटने के लिए वहाँ कोई गाड़ी नहीं मिली, जिसके बाद उन्हें एक ट्रैक्टर और फिर लोकल बस के द्वारा क़रीब 8 घंटे की यात्रा कर अपने गंतव्य तक वापस लौटना पड़ा था। यह घटनायें इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफ़ी हैं कि मोदी स्वतंत्र व निष्पक्ष मीडिया से संवाद क्यों नहीं करते। वे वास्तविक व निष्पक्ष पत्रकारों के इस सिद्धांत को बख़ूबी जानते हैं कि न स्याही के हैं दुश्मन न सफ़ेदी के हैं दोस्त। हमको आईना दिखाना है दिखा देते हैं।

युवा शक्ति, रेलवे और विकसित भारत का नया संकल्प

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में कुछ क्षण ऐसे होते हैं,जो केवल सरकारी आयोजनों तक सीमित नहीं रहते,बल्कि वे बदलते हुए राष्ट्र-चरित्र,व्यवस्था और समय की दिशा के प्रतीक बन जाते हैं। बीते दिनों ऐसा ही एक दृश्य तब सामने आया,जब देशभर के 51 हजार से अधिक युवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।यह कार्यक्रम केवल सरकारी नौकरियों के वितरण का औपचारिक आयोजन नहीं था,बल्कि उस नए भारत का प्रतिबिंब था,जो अपनी युवा शक्ति को विकास,आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ऊर्जा मानकर आगे बढ़ रहा है।विशेष महत्व की बात यह रही कि इन नियुक्तियों में 50 प्रतिशत से अधिक अवसर भारतीय रेल से जुड़े विभिन्न विभागों में प्रदान किए गए। यह तथ्य केवल भर्ती का सरकारी आंकड़ा नहीं,बल्कि आने वाले भारत की विकास दिशा का स्पष्ट संकेत भी है।यह बताता है कि केंद्र सरकार देश की आधारभूत संरचना,विशेषकर रेलवे नेटवर्क को 21वीं सदी के भारत की आर्थिक धुरी बनाने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रही है।इस अवसर पर नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज का भारत युवाओं को अवसर देने वाला भारत है।सरकार की प्राथमिकता केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं,बल्कि उन्हें धरातल तक पहुंचाकर युवाओं के हाथों में अवसर,विश्वास और आत्मसम्मान सौंपना है।उन्होंने यह भी कहा कि बीते वर्षों में भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी,तकनीक आधारित और समयबद्ध बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए हैं, ताकि युवाओं को वर्षों तक प्रतीक्षा और अनिश्चितता के दौर से न गुजरना पड़े।दरअसल,पिछले कुछ वर्षों में "रोजगार मेला" केवल एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि शासन व्यवस्था की नई कार्यशैली के रूप में उभरा है। एक समय था,जब सरकारी भर्तियाँ वर्षों तक विवादों,लंबित परीक्षाओं, भ्रष्टाचार और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोपों के बीच उलझी रहती थीं।लाखों युवा आयु सीमा पार होने की चिंता में अपने सपनों को टूटते हुए देखते थे। लेकिन अब मिशन मोड में रिक्त पदों को भरने और भर्ती प्रक्रियाओं को गति देने का प्रयास दिखाई देता है।यही कारण है कि देश के विभिन्न राज्यों और शहरों में आयोजित रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं।भारत जैसे विशाल और युवा देश में रोजगार का प्रश्न केवल आर्थिक विषय नहीं है।यह सामाजिक स्थिरता,पारिवारिक सुरक्षा,आत्मसम्मान और राष्ट्रीय आत्मविश्वास से भी गहराई से जुड़ा हुआ विषय है।जब किसी युवा के हाथ में नियुक्ति पत्र आता है,तब केवल एक व्यक्ति को नौकरी नहीं मिलती,बल्कि एक परिवार के सपनों को स्थिरता और समाज को नई ऊर्जा मिलती है।किसी गरीब किसान का बेटा,किसी मजदूर की बेटी या किसी निम्न मध्यमवर्गीय परिवार का युवा जब सरकारी सेवा में चयनित होता है,तब उसके साथ पूरा परिवार नई आशा से भर उठता है।ग्रामीण भारत में आज भी सरकारी नौकरी केवल रोजगार नहीं,बल्कि सम्मान,सुरक्षा और स्थायित्व का सबसे बड़ा प्रतीक मानी जाती है।गाँवों और कस्बों में सरकारी नौकरी पाने वाला युवा केवल अपने घर का भविष्य नहीं बदलता,बल्कि वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है।यही कारण है कि रोजगार मेलों के मंच केवल प्रशासनिक मंच नहीं रह जाते,बल्कि वे सामाजिक परिवर्तन और नई संभावनाओं के मंच बन जाते हैं।सरकारी सेवा को राष्ट्र सेवा का माध्यम बताते हुए युवाओं से ईमानदारी,संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया।यह बात भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना को भी व्यक्त करती है।कोई भी व्यवस्था तभी मजबूत होती है,जब उसमें कार्य करने वाले लोग सेवा भाव के साथ जनता के बीच काम करें।लोकतंत्र केवल संसद और सरकार से नहीं चलता,बल्कि उन लाखों कर्मचारियों और अधिकारियों से चलता है,जो रोज़मर्रा की व्यवस्था को आम जनता तक पहुंचाते हैं।आज भारत जिस "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, उसमें युवा शक्ति की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी युवा है।यह केवल जनसांख्यिकीय तथ्य नहीं,बल्कि विश्व राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की सबसे बड़ी ताकत है।दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं वृद्ध होती आबादी की चुनौती से जूझ रही हैं, जबकि भारत के पास युवा ऊर्जा का विशाल आधार मौजूद है।यदि यही युवा शक्ति शिक्षित,प्रशिक्षित और रोजगारयुक्त होगी,तो भारत आने वाले दशकों में विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक शक्तियों में शामिल हो सकता है।इस रोजगार मेले की सबसे बड़ी विशेषता भारतीय रेल में बड़ी संख्या में नियुक्तियाँ रही हैं।कुल नियुक्तियों में लगभग आधे से अधिक अवसर रेलवे से जुड़े विभिन्न विभागों में दिए गए।इसका महत्व केवल रोजगार तक सीमित नहीं है,बल्कि यह भारत की बदलती आर्थिक संरचना और विकास मॉडल को भी दर्शाता है। भारतीय रेल केवल एक परिवहन तंत्र नहीं,बल्कि भारत की जीवन रेखा है।यह देश की आर्थिक गतिविधियों,सामाजिक एकता और सांस्कृतिक संवाद का सबसे बड़ा माध्यम है।हिमालय की वादियों से लेकर कन्याकुमारी के समुद्री तट तक और पूर्वोत्तर के दुर्गम इलाकों से लेकर पश्चिमी भारत के औद्योगिक नगरों तक रेलवे भारत को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य करती है।आज जब भारत तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित विकास मॉडल की ओर बढ़ रहा है,तब रेलवे की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है।वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार, अमृत भारत स्टेशन योजना, समर्पित माल गलियारे,हाईस्पीड रेल परियोजनाएं, रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण और आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम जैसी परियोजनाएं भारतीय रेल को नए युग में पहुंचा रही हैं।इन परियोजनाओं के लिए विशाल मानव संसाधन की आवश्यकता स्वाभाविक है।इंजीनियर, तकनीशियन,परिचालन कर्मचारी, सुरक्षा बल, प्रशासनिक अधिकारी और सेवा क्षेत्र से जुड़े हजारों पद रेलवे की नई संरचना का हिस्सा बन रहे हैं।यही कारण है कि रेलवे आज देश का सबसे बड़ा रोजगार सृजनकर्ता विभाग बनकर उभर रहा है।पिछले कुछ वर्षों में रेलवे को केवल यात्रा का माध्यम नहीं,बल्कि आर्थिक क्रांति का इंजन बनाने की दिशा में कार्य हुआ है।

आत्मनिर्भरता, पोषण और बदलाव की नई पहचान बनीं महिला स्व-सहायता समूह

डॉ. दानेश्वरी संभाकर

छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण और कुपोषण मुक्ति को एक साथ जोड़ते हुए राज्य सरकार ने एक ऐसी पहल शुरू की है, जिसने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आशा, आत्मविश्वास और आर्थिक स्थिरता की नई रोशनी जगाई है। आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए पूरक पोषण आहार (रेडी-टू-ईट) के निर्माण एवं वितरण का दायित्व महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपकर सरकार ने महिलाओं को केवल रोजगार ही नहीं दिया, बल्कि उन्हें विकास की मुख्यधारा में सशक्त भागीदारी का अवसर भी प्रदान किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रारंभ की गई यह पहल राज्य में महिला सशक्तिकरण और पोषण सुरक्षा के समन्वित मॉडल के रूप में उभर रही है। पहले जहां पूरक पोषण आहार निर्माण का कार्य बाहरी एजेंसियों के माध्यम से किया जाता था, वहीं अब यह जिम्मेदारी गांव की महिलाओं ने संभाल ली है, इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित हुआ है और महिलाओं की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रही है। राज्य सरकार ने प्रथम चरण में रायगढ़, कोरबा, सूरजपुर, बस्तर, दंतेवाड़ा और बलौदाबाजार-भाटापारा जिलें में इस योजना को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया है। इन छह जिलें के 42 महिला स्व-सहायता समूहों को रेडी-टू-ईट पोषण आहार निर्माण एवं वितरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन समूहों के माध्यम से हजारों महिलाओं को रोजगार मिली है और वे अब संगठित रूप से उत्पादन, पैकेजिंग, गुणवत्ता नियंत्रण और वितरण का कार्य संभाल रही हैं। प्रदेश का पहला रेडी-टू-ईट उत्पादन रायगढ़ जिले में प्रारंभ हुआ, जिसने पूरे राज्य के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। कोरबा जिले में 10, रायगढ़ में 10, सूरजपुर एवं बलौदाबाजार-भाटापारा में 7-7, बस्तर में 6 तथा दंतेवाड़ा में 2 महिला स्व-सहायता समूह इस कार्य से जुड़ी हुई हैं। इन समूहों के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों तक समय पर गुणवत्तापूर्ण पूरक पोषण आहार पहुंचाया जा रहा है। इस पहल का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि

इससे महिलाओं की भूमिका केवल श्रमिक तक सीमित नहीं रही, बल्कि वे प्रबंधन और निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा भी बनी हैं। उत्पादन इकाइयों में कार्यरत महिलाओं को मशीन संचालन, गुणवत्ता परीक्षण, पैकेजिंग, भंडारण वितरण और लेखा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया है। आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित इन इकाइयों ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। सूरजपुर जिले में संचालित रेडी-टू-ईट निर्माण संयंत्र इस बदलाव की सशक्त तस्वीर प्रस्तुत कर रही हैं। भैयाथान, प्रतापपुर और सूरजपुर विकासखंडों में संचालित संयंत्रों में महिलाएं पौष्टिक नमकीन दलिया और मीठा शक्ति आहार तैयार कर रही हैं। इन खाद्य पदार्थों में विटामिन 'एÓ, विटामिन 'डीÓ, आयरन, कैल्शियम, जिंक और फोलिक एसिड जैसे आवश्यक पोषक तत्व शामिल हैं, जो बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। इन संयंत्रों में कार्यरत महिलाएं अब केवल अपने परिवार की जिम्मेदारियां नहीं निभा रहीं, बल्कि जिले के पोषण अभियान में महत्वपूर्ण भागीदार बन चुकी हैं। सूरजपुर जिले में निर्माण के साथ-साथ वितरण की जिम्मेदारी भी महिला समूहों को सौंपी गई है, जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं आजीविका से जुड़ सकी हैं। लगभग 430 महिलाएं आंगनबाड़ी केंद्रों तक पोषण आहार पहुंचाने के कार्य में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इस पहल को महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता और बच्चों के बेहतर पोषण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। उनका कहना है कि यह योजना महिलाओं को रोजगार देने के साथ-साथ राज्य के पोषण स्तर में सुधार लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। दरअसल, यह पहल केवल पोषण आहार निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक बदलाव की एक सशक्त कहानी भी है, जिन महिलाओं की पहचान कभी केवल घरेलू कार्यों तक सीमित थी, वे आज उत्पादन इकाइयों का संचालन कर रही हैं। समूहों का नेतृत्व कर रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बन रही हैं। नियमित आय ने उनके जीवन में स्थिरता लाई है, आत्मविश्वास बढ़ाया है और समाज में उनकी भागीदारी को मजबूत किया है। छत्तीसगढ़ में महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से संचालित यह मॉडल "पोषण के साथ सशक्तिकरण" की अवधारणा को वास्तविक रूप दे रहा है। यह पहल साबित कर रही है कि जब महिलाओं को अवसर और विश्वास मिलता है, तो वे न केवल अपने जीवन को बदलती हैं, बल्कि पूरे समाज के विकास की दिशा भी तय करती हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि : मेष राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपकी कई योजनाएं समय से पूरी हो जाएंगी। परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी सफलता मिलेगी। अपनी उर्जा से आप बहुत कुछ हासिल कर लेंगे। किसी कठिन परिस्थिति में आपको कुछ लोगों से आसानी से मदद मिल जायेगी। आज आप किसी काम को लेकर उत्साहित होंगे, काम आसानी से व समय से पूरा हो जायेगा।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज कुछ बड़ा और अलग काम करने से आपको बचना चाहिए। किसी मामले को आपको बातचीत और शांति से सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए। साथ ही आप संवेदनशील भी हो सकते हैं। परिवार वालों के साथ अधिक-से-अधिक समय बितायेंगे। आज कुछ मामलों पर आप विचार कर सकते हैं। छात्रों के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। इस राशि के कारोबारियों को पैसों के मामलों में लाभ हो सकता है। आज रोज की अपेक्षा ऑफिस में काम आसानी से पूरा हो सकता है। साथ ही बॉस आपकी परफॉरमेंस से खुश होकर आपको अच्छा-सा गिफ्ट कर सकते हैं। संतान पक्ष से सुख प्राप्त होगा। दूसरों की जरूरतों को पूरा करने की आप कोशिश करेंगे। आपकी ऊर्जा से लोग प्रभावित हो सकते हैं।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। दोस्तों के साथ घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं। आप खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे। इस राशि के मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर है। आपके परिवार में सुख-सौभाग्य बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशिश करेंगे। ऑफिस में उच्चधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात की संभावना है। निवेश के मामलें में आपको नई सलाह मिल सकती है। आज लोगों की नजरों में आपकी पॉजिटिव इमेज बनेगी। कंप्यूटर के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा है।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। सभी काम आपके मन-मुताबिक पूरे हो सकते हैं। जरूरत से ज्यादा एकाग्रता के कारण आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। कुछ मनोरंजन के मौके मिल सकते हैं। संतान से खास खुशखबरी मिल सकती है। आपको अपने वाणी पर संयम बनाये रखना चाहिए।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। इस राशि के कारोबारियों को उम्मीद से ज्यादा लाभ मिलेगा। ऑफिस में आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा। दूसरे लोग आपकी योजना से काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। लवमेट के लिए आज का दिन बेहतरीन है। परिवार के लोग आपके लिए मददगार होंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके अधूरे काम पूरे हो सकते हैं। कुछ नए मौके आपको मिल सकते हैं। मिल कर किये गए कामों से आपको बहुत हद तक सफलता मिलने के योग है। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप नया करतब सीखने का प्रयास करेंगे। व्यापार में उचित लाभ की प्राप्ति हो सकती है।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन सुनहरे पल लेकर आयेगा। साहित्य के क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी खुशखबरी मिलेगी। करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे। किसी काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद रहेगी। दोस्तों के साथ मूवी जाने का प्लान बनायेंगे। ऑफिस में किसी काम को लेकर आपकी तारीफ होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा। जो लोग फिल्म जगत से जुड़े हैं, उनको आज बढ़िया ऑफर भी मिलेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता में बीत सकता है। आप नई जिम्मेदारी लेने में थोड़ा संकोच कर सकते हैं। आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती है। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान बढ़ेगा। माता-पिता के मार्गदर्शन में नया बिजनेस शुरू करने की योजना बनायेंगे।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके दाम्पत्य रिश्ते मधुर होंगे। रोजमर्रा के कामों से आपको फायदा होगा। कारोबार में पैसा लगाने के बारे में सोच सकते हैं। आपको कई नये काम करने के मौके मिलेंगे। आप दूसरों की मदद के लिये तैयार रहेंगे। परिवार में लाभ की स्थिति बनेगी। रचनात्मक काम से आपको फायदा मिलेगा।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कुछ लोगों की मदद से आपके काम पूरे हो सकते हैं। आपको अच्छी खुशखबरी मिल सकती है। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे। साथ ही वो किसी काम में आपसे सलाह भी ले सकते हैं। आप लोगों की इच्छाएं समझने की कोशिश में लगे रहेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

लगातार दूसरे साल प्लेऑफ से बाहर हुई चेन्नई सुपर किंग्स, जानिए हार के पांच बड़े कारण

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स का अभियान निराशाजनक रहा। पांच बार की चैंपियन टीम इस बार भी प्लेऑफ में जगह बनाने में असफल रही। चेन्नई ने 14 मुकाबलों में केवल 6 मैच जीते और लगातार दूसरे सीजन में अंतिम चार से बाहर हो गई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम कई समस्याओं से जूझती नजर आई, जिसका असर उसके प्रदर्शन पर साफ दिखाई दिया। खिलाड़ियों की चोट, अनुभवी खिलाड़ियों की कमी और युवा सितारों का खराब प्रदर्शन टीम के लिए सबसे बड़ी परेशानी बनकर सामने आया। इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सबसे बड़ा झटका खिलाड़ियों की लगातार चोटें रहीं। तेज गेंदबाज नाथन एलिस चोट के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वहीं शानदार फॉर्म में चल रहे युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे का चोटिल होना भी टीम के लिए बड़ा नुकसान साबित हुआ। खलील अहमद ने शुरुआती पांच मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन वह भी चोटिल होकर बाहर हो गए। ऑलराउंडर जेमी ओवरटन बल्ले और गेंद दोनों से टीम के लिए अहम भूमिका निभा रहे थे, लेकिन सीजन के महत्वपूर्ण चरण में उनकी चोट ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दीं। महेंद्र सिंह धोनी की गैरमौजूदगी भी चेन्नई के लिए भारी पड़ी। चोट के कारण धोनी इस पूरे सीजन में एक भी मुकाबला नहीं खेल सके। विकेट के पीछे से उनकी रणनीति और अनुभव की कमी साफ महसूस की गई। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ दबाव की परिस्थितियों में कई बार असहाय नजर आए और टीम मुश्किल समय में वापसी नहीं कर सकी। धोनी की मौजूदगी हमेशा चेन्नई की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती रही है, लेकिन इस बार टीम उस नेतृत्व से वंचित रही। चेन्नई ने आईपीएल 2026 के लिए कई युवा खिलाड़ियों पर बड़ा दांव लगाया था, लेकिन वे उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। फ्रेंचाइजी ने प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा पर लगभग 14.2 करोड़ रुपये खर्च किए थे, लेकिन दोनों खिलाड़ी प्रभावित करने में नाकाम रहे। उर्विल पटेल भी पूरे सीजन में सिर्फ एक अर्धशतक ही लगा सके और निरंतर प्रदर्शन नहीं कर पाए।

कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस से टीम को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन दोनों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। ब्रेविस ने 11 मैचों में केवल 151 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट भी 127 के आसपास रहा। वह पूरे सीजन में एक भी अर्धशतक नहीं लगा सके।

आईपीएल 2026 में लगे सबसे ज्यादा छक्के

वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक छाये रहे

एजेंसी, मुम्बई

आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने आक्रामक अंदाज के लिए सनरासइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा और राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी छाये रहे हैं। इन दोनो ने ही जमकर चौके और छक्के लगाये हैं। इन दोनो के अलावा अन्य बल्लेबाज भी चौके और छक्के लगाने में पीछे नहीं रहे। लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले के बाद, इस सत्र में कुल 1305 छक्के दर्ज लगे हैं। इससे पिछले साल 2025 में लगे 1294 छक्कों का रिकॉर्ड टूट गया। यह आईपीएल के इतिहास में पहला अवसर है जब किसी एक सत्र में 1300 से अधिक छक्के लगे हैं। ये इस टूर्नामेंट में बढ़ती आक्रामकता और पावर-हिटिंग के बढ़ते चलन को दर्शाता है। अभी लीग चरण के दो और प्लेऑफ के चार मुकाबले बाकी हैं, जिससे उम्मीद है कि यह आंकड़ा 1400 के पार भी पहुंच सकता है, जिससे यह सीजन और भी यादगार बन जाएगा। रॉयल्स के मात्र 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव इस सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने अब तक 53 छक्के लगाए हैं। यह एक आईपीएल सीजन में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। वैभव की नजरें अब वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल के एक आईपीएल सीजन में 59 छक्कों के रिकॉर्ड पर टिकी हैं, जिसे वह तोड़ने के बेहद करीब हैं। वैभव के अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रमक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने भी छक्कों की झड़ी लगाई है। उन्होंने अब तक आईपीएल 2026 में 43 छक्के लगाये हैं और उनकी टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है, जिससे उन्हें अपने छक्कों की संख्या बढ़ाने के कई और मौके मिलेंगे। शीर्ष पांच छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में इन दो भारतीय सितारों के अलावा, रायन रिकेल्टन 37, मिचेल मार्श 36 और कूपर कोनोली 32 जैसे विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी टीमों के लिए अहम योगदान दिया है। आईपीएल में छक्कों का बढ़ता ग्राफ साफ तौर पर देखा जा सकता है: जहां 2023 में 1124 छक्के लगे थे, वहीं 2024 में यह संख्या 1260 तक पहुंची, पिछले सीजन 2025 में 1294 छक्के दर्ज किए गए, और अब 2026 में यह आंकड़ा 1305 तक पहुंच चुका है।

आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज बने शमी

एजेंसी, लखनऊ

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नाम आईपीएल में एक ऐसा रिकार्ड है जो अन्य किसी भी गेंदबाज के नाम नहीं है। शमी आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए शमी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या को अर्जुन तेंदुलकर के हाथों कैच कराकर ये रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इस मामले में राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का रिकॉर्ड तोड़ा है। आर्चर ने तक पांच बार इस लीग में पहली ही गेंद पर विकेट लिया था। वहीं शमी ने छठी बार पहली गेंद पर विकेट लेकर अपनी श्रेष्ठता साबित की और यह दिखाया है कि पहले ओवर में बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना कितना कठिन होता है। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि उनकी निरंतरता और हर मैच की शुरुआत में ही प्रभाव छोड़ने की उनकी क्षमता का प्रमाण है। शमी के इस आईपीएल सत्र के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 13 मैचों में 12 विकेट लिए, जिसमें उनका इकोनॉमी रेट 9 का रहा। पिछला सत्र हालांकि उनके लिए अच्छा नहीं रहा था। जिसके बाद बाद सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ ट्रेड कर दिया था। इस सीज़न में उनकी शुरुआत काफी अच्छी रही, हालांकि वह एक मैच से बाहर रहे।

राहुल द्रविड़ ने क्रिकेट के साथ परिवार को भी दी मजबूत पहचान

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्रिकेट जगत में 'दीवार' के नाम से जाना जाता है। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर जितना शानदार रहा, उतना ही प्रेरणादायक उनका कोचिंग सफर भी रहा है। संन्यास के बाद द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी को तैयार करने का जिम्मा संभाला और अंडर-19 टीम के कोच के रूप में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तराशा। उनकी कोचिंग में पृथ्वी शॉ की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अंडर-19 विश्व कप जीता, जिसमें शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी भी शामिल थे। बाद में उन्होंने सीनियर टीम के मुख्य कोच के रूप में रोहित शर्मा के साथ मिलकर भारतीय टीम को नई सफलताएं दिलाईं। वर्ष 2024 में टी-20 विश्व कप जीत के साथ उनका कार्यकाल यादगार अंदाज में समाप्त हुआ। 11 जनवरी 1973 को इंदौर में जन्मे राहुल द्रविड़ मराठी ब्राह्मण परिवार से आते हैं। उनके पिता शरद द्रविड़ एक खाद्य कंपनी में वरिष्ठ पद पर कार्यरत थे, जबकि उनकी मां पुष्पा द्रविड़ इंजीनियरिंग कॉलेज में आर्किटेक्चर की प्रोफेसर थीं। परिवार में शिक्षा और अनुशासन का माहौल रहा, जिसका असर राहुल के व्यक्तित्व में भी साफ दिखाई देता है। उनके छोटे भाई विजय द्रविड़ ने भी शुरुआती दिनों में उनका पूरा साथ दिया।

बेटे अर्जुन के अच्छे प्रदर्शन पर उत्साहित सचिन ने लिखा भावुक संदेश

एजेंसी, मुम्बई

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मैच में ही खेलने का अवसर मिला जिसमें अर्जुन ने शानदार गेंदबाजी की। इससे उनके पिता सचिन भी भावुक हो गये। हो भी क्यों न आंखिरकार 13 मैचों के इंतजार के बाद उनके बेटे को अवसर मिला जिसमें उसने अपने को साबित कर दिया। अर्जुन ने इस मैच में चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट लिया। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन को देखकर उत्साहित सचिन ने अपनी भावनाएं सोशल मीडिया के जरिये जाहिर की है। अर्जुन लखनऊ के लिए सबसे कम रन देने वाले गेंदबाज रहे। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन पर सचिन ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, शाबाश, अर्जुन! इस सीजन में आपने जिस तरह से अपने को संभाला, उस पर मुझे गर्व है। आपने हमेशा अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखा, धैर्य बनाए रखा, चुपचाप कड़ी मेहनत की और अंतिम मैच तक अवसर मिलने का इंतजार करने के बाद भी सकारात्मक बने रहे। सचिन ने आगे कहा, क्रिकेट में कौशल के साथ-साथ धैर्य की भी परीक्षा होती है और आज आपने दोनों को बखूबी निभाया। अपने पैर जमीन पर रखें और हमेशा की तरह खेल के प्रति अपना प्यार बनाए रखें। हमेशा आपके लिए मेरा स्नेह रहेगा।अर्जुन के प्रभावी प्रदर्शन के बाद भी हालांकि सुपरजायंट्स इस मैच में जीत हासिल नहीं कर पायी।

बिजनेस

'भव्य' योजना के तहत 50 औद्योगिक पार्क के लिए केंद्र ने राज्यों से मांगे आवेदन

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 33,660 करोड़ रुपये की भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) के तहत 50 औद्योगिक पार्कों की स्थापना के लिए राज्यों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। सरकार ने इसके लिए चार महीने की समय-सीमा तय किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्राल ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक 'भव्य' योजना का उद्देश्य विश्वस्तरीय औद्योगिक अवसंरचना विकसित करना, विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना और देश की आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करना है। इस योजना के तहत गैर-पहाड़ी राज्यों के लिए जमीन की न्यूनतम आवश्यकता 100 एकड़ और पहाड़ी राज्यों, पूर्वोत्तर राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों तथा छोटे राज्यों के लिए 25 एकड़ निर्धारित की गई है। ये योजना 1000 एकड़ तक के बड़े पार्कों पर विचार करने की भी अनुमति देती है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज वाणिज्य भवन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहले दो महीनों में 20 औद्योगिक पार्क के लिए और उसके बाद के दो महीनों में 30 अन्य पार्क के लिए राज्यों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। पहले चरण में इन 50 पार्क को मंजूरी दी जाएगी और शेष 50 पार्क को अगले चरण में स्वीकृति प्रदान करने की योजना है। यह योजना राज्यों और निजी क्षेत्र के भागीदारों के साथ साझेदारी में लागू की जाएगी। गोयल ने बताया कि इस योजना के तहत 100 से 1000 एकड़ तक के औद्योगिक पार्कों का विकास किया जाएगा और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रति एकड़ एक करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि पहाड़ी राज्यों के लिए 25 एकड़ भूमि पर भी औद्योगिक पार्क के विकास को भी मंजूरी दी जा सकती है। चयन 'प्रतिस्पर्धा आधारित प्रक्रिया' के तहत किया जाएगा और जमीन, पानी एवं बिजली जैसी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले राज्यों में निवेशकों को आकर्षित करने की अधिक संभावना होगी। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि राजस्थान, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और हरियाणा जैसे राज्य इस योजना को लेकर गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, "मैं सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को इस प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता हूं। हम आज से अगले 4 महीनों तक राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से आवेदन आमंत्रित कर रहे हैं। हम 50 औद्योगिक पार्क के लिए आवेदन मांग रहे हैं, ताकि हम इस योजना को पूरे देश में शीघ्रता से लागू कर सकें।'' गोयल ने उम्मीद जताई कि तीन साल के भीतर 50 औद्योगिक पार्क चालू हो जाएंगे। यह योजना विनिर्माण इकाइयों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), स्टार्टअप तथा तैयार औद्योगिक बुनियादी ढांचा तलाश रहे वैश्विक निवेशकों के लिए लाभकारी होगी। उन्होंने कहा कि 'भारत औद्योगिक विकास योजना' ('भव्य') के लॉन्च होने के महज दो महीने बाद ही मोदी सरकार ने आज इस योजना के दिशा-निर्देश जारी किए और राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों को विश्व-स्तरीय औद्योगिक पार्क स्थापित करने के लिए आवेदन करने हेतु आमंत्रित किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'प्लग-एंड-प्ले' इंफ्रास्ट्रक्चर से लैस ये पार्क किस तरह औद्योगिक विकास को गति देंगे, निवेश आकर्षित करेंगे, रोजगार के अवसर पैदा करेंगे और 'ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' (व्यापार करने में सुगमता) को बढ़ावा देंगे। इसके अलावा गोयल ने मीडिया को कनाडा की आगामी यात्रा के बारे में भी जानकारी दी।

सर्राफा बाज़ार की तेजी पर लगा ब्रेक, सोना और चांदी की घटी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में पिछले कुछ दिन से जारी तेजी के दौर पर आज ब्रेक लग गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 420 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 610 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। सोना की तरह ही चांदी के भाव में आज के कारोबार के दौरान 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई है।

घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना आज 1,59,480 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,61,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,46,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में भी आज मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,59,630 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,61,230 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,47,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,59,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,59,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,46,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी, कुछ शहरों में गिरावट

महानगरों में स्थिरता ग्लोबल उतार-चढ़ाव के बीच चेन्नई में महंगा हुआ तेल

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकारी तेल कंपनियों ने रविवार को पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। ग्लोबल मार्केट में जारी उतार-चढ़ाव और देश के टैक्स स्ट्रक्चर के बीच आम उपभोक्ताओं को मिला-जुला अनुभव मिला है। जहां दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में कीमतें पूरी तरह स्थिर बनी हुई हैं, वहीं पटना, नोएडा और गुरुग्राम जैसे शहरों में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली है। दूसरी ओर चेन्नई में तेल थोड़ा महंगा हुआ है। देश के चार बड़े महानगरों दिल्ली में पेट्रोल 99.51 प्रति लीटर और डीजल 92.49 रुपए प्रति लीटर के पुराने भाव पर ही मिल रहा है। इसी तरह मुंबई में भी पेट्रोल 108.45 प्रति लीटर और डीजल 95.02 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है। राहत की बात यह है कि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 53 पैसे सस्ता होकर 110.47 और डीजल 50 पैसे गिरकर 96.53 रुपए प्रति लीटर पर आ गया है। दिल्ली से सटे नोएडा में पेट्रोल और डीजल दोनों 19-19 पैसे सस्ते हुए हैं। हरियाणा के गुरुग्राम में भी पेट्रोल 21 पैसे और डीजल 20 पैसे सस्ता हुआ है, जिससे वाहन चालकों को थोड़ी राहत मिली है।

कोटेक हेल्थकेयर और दीपा ज्वेलर्स के आईपीओ लाने के प्रस्ताव को मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने फार्मास्यूटिकल सेक्टर की कंपनी कोटेक हेल्थ केयर और ज्वेलरी सेक्टर की कंपनी दीपा ज्वेलर्स के आईपीओ लाने के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। अब ये दोनों कंपनियां अपना आईपीओ लॉन्च कर सकेंगी। इन दोनों कंपनियों ने पिछले साल ही सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया था। कोटेक हेल्थ केयर ने पिछले साल सितंबर के महीने में और दीपा ज्वेलर्स में दिसंबर के महीने में अपना आईपीओ लाने के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कराया था। अब सेबी ने इन दोनों कंपनियां के डीआरएचपी के आधार पर इनके लिए ऑब्जरवेशन लेटर जारी कर दिया है। ऑब्जरवेशन लेटर जारी होने का मतलब आईपीओ के लिए मंजूरी मिलना होता है। इन दोनों कंपनियों के शेयर मेनबोर्ड सेगमेंट के होंगे। यानी बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंज में उनकी लिस्टिंग होगी। कोटेक हेल्थ केयर द्वारा सेबी के पास जमा कराए गए डीआरएचपी के अनुसार कंपनी के आईपीओ में 250 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 60 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे जाएंगे। नए शेयरों की बिक्री से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए प्रोजेक्ट शुरू करने, अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने, नए प्रोडक्ट बनाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

बीएसई के कई इंडेक्सेज में अर्धवार्षिक पुनर्गठन प्रकिया के तहत बदलाव

एजेंसी, नई दिल्ली

बीएसई के इंडेक्स सर्विसेज ने चार प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्सेज में बदलाव करने का ऐलान किया है। बीएसई 100, बीएसई सेंसेक्स 50, बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट 50 और बीएसई फोकस्ड आईटी इंडेक्स में होने वाला ये बदलाव अगले महीने 22 जून को ट्रेडिंग शुरू होते ही प्रभावी हो जाएगा। इस बदलाव के तहत इन तीनों बेंचमार्क इंडेक्सेज में कुछ कंपनियों के शेयरों को शामिल किया गया है, वहीं कुछ के शेयरों को बाहर कर दिया गया है। बीएसई के इंडेक्स सर्विसेज की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार स्टॉक एक्सचेंज की अर्धवार्षिक पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत बेंचमार्क इंडेक्सेज में ये बदलाव किए गए हैं। स्टॉक एक्सचेंज हर छह महीने में बेंचमार्क इंडेक्सेज का रिव्यू करता है। इसी रिव्यू के तहत कुछ कंपनियों के शेयरों को बेंचमार्क इंडेक्सेज में शामिल किया जाता है, वहीं कुछ कंपनियों के शेयरों को उनके प्रदर्शन के आधार पर बेंचमार्क इंडेक्सेज से बाहर कर दिया जाता है। अर्ध वार्षिक पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत बीएसई 100 में नए बदलाव के तहत अशोक लीलैंड, सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस और वन 97 कम्युनिकेशंस यानी पेटीएम को शामिल किया जाएगा। ये तीनों कंपनियां बीएसई 100 में अंबुजा सीमेंट्स, कोलगेट पामोलिव इंडिया और ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ इंडिया का स्थान लेंगी। इसका मतलब ये भी है कि ये तीनों कंपनियां बीएसई 100 इंडेक्स से बाहर हो जाएंगी। इसी तरह बीएसई सेंसेक्स 50 में भी बदलाव हुआ है। हालांकि इस इंडेक्स में सिर्फ एक कंपनी के शेयर को बाहर किया गया है। उसके स्थान पर दूसरी कंपनी के शेयर को इंडेक्स में शामिल कर लिया गया है।

राम चरण की पेड्डी में धमाकेदार डांस से रंग जमाएंगी श्रुति हासन

सुपरस्टार राम चरण अपनी आगामी फिल्म पेड्डी को लेकर खूब चर्चा बटोर रहे हैं। जब से निर्माताओं ने ट्रेलर जारी किया है, तब से फैंस ही नहीं बल्कि सितारे भी फिल्म की रिलीज के लिए बेसब्र हैं। अब यह उत्साह और बढ़ जाएगा क्योंकि फिल्म में शामिल आइटम नंबर का प्रोमो वीडियो जारी किया गया है। गाने का नाम हेलअल्लालो है, जिसमें राम के श्रुति हासन को जबरदस्त डांस करते हुए देखा जा सकता है। हेलअल्लालो गाने में राम और श्रुति के अलावा, जाह्नवी कपूर भी अपने डांस का तड़का लगाती दिखती हैं जो फिल्म की मुख्य अभिनेत्री हैं। गाने को संगीत एआर रहमान ने दिया है और इसे टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया है। हालांकि पूरे गाने का वीडियो 23 मई को आधिकारिक तौर पर रिलीज किया जाएगा। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित यह फिल्म 4 जून को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं के साथ रिलीज हो रही है. इस फिल्म में राम केवल अभिनय नहीं कर रहे, बल्कि एक मजदूर वर्ग के आदमी के जीवन को पूरी तरह से जी रहे हैं। पेड्डी में उनके लुक की बात करें तो उनके बिखरे बाल और मिट्टी से सना चेहरा साफ दिखाई देता है। यह फिल्म बड़े-बड़े पैन-इंडिया प्रोजेक्ट्स से अलग है, जो सिर्फ चमक-धमक दिखाने के बजाय जीवन के संघर्षों और स्थानीय संस्कृति की सच्ची कहानियों पर ध्यान देती है। यह फिल्म राम की अभिनय क्षमता की गहराई को दर्शाती है और ग्रामीण जीवन के भावनात्मक पक्ष को उजागर करती है।

शरवरी वाघ को बेहद पसंद आई पंजाब की संस्कृति

बोलीं- वहां के लोग बेहतरीन

अभिनेत्री शरवरी वाघ अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में जुटीं शरवरी ने बताया कि उन्होंने किरदार को बेहतर तरीके से समझने के लिए अपनी मां के साथ पंजाब की यात्रा की थी। उन्हें पंजाब का कल्चर और वहां के लोग काफी पसंद आए। शरवरी ने कहा, मेरा बैकग्राउंड महाराष्ट्रीयन है। पंजाब की संस्कृति, वहां के लोगों और खाने को समझने के लिए मैं वहां जाना चाहती थी। इम्तियाज अली पंजाब के बारे में इतने प्यार से बात करते हैं कि मुझे लगा, मुझे खुद वहां जाकर सब कुछ महसूस करना चाहिए, वहां के बारे में समझना चाहिए। उन्होंने आगे बताया, मैं इम्तियाज से पंजाब के बारे में सुनकर महसूस करती थी कि कहीं ना कहीं मुझमें कमी है, इसलिए मैं अपनी मां को साथ लेकर पंजाब चली गई। हम वहां घूमे-फिरे और पर्यटक वाली सारी चीजें कीं, खाना खाया, ऐतिहासिक जगहों पर गए और पार्टीशन म्यूजियम भी घूमे।

शरवरी ने कहा कि वे नई चीजों को हमेशा पहली बेंच पर बैठने वाले स्टूडेंट की तरह उत्साह से सीखती हैं। उन्होंने बताया, मुझे नोट्स बनाना, रिसर्च करना और नई चीजें जानना बहुत पसंद है। पंजाब जाने से पहले मैंने इम्तियाज से कहा भी था कि मुझे स्क्रिप्ट पढ़ने से पहले वहां जाना है। अभिनेत्री ने पंजाब के लोगों की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, मैंने वहां सब कुछ बिना किसी रिसर्च प्रेशर के किया। बस इसलिए कि मुझे उस जगह से प्यार हो जाए और सच में मुझे पंजाब से प्यार हो गया। मुझे लगता है कि पंजाब के लोग दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में शामिल हैं।

निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में शरवरी एक पंजाबी महिला का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में उनके साथ वेदांग रैना भी अहम किरदार में हैं। 'मैं वापस आऊंगा 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

दृश्यम 3 का दुनियाभर में तांडव

धमाकेदार हुई शुरुआत, बनी वर्ल्डवाइड साल की 5वीं सबसे बड़ी मलयालम फिल्म

जीतू जोसेफ द्वारा निर्देशित मोहनलाल स्टारर फिल्म दृश्यम 3 साल की मच अवेटेड फिल्म थी. इसने 21 मई को मोहनलाल के 66वें जन्मदिन के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक दी . ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी की तीसरी इंस्टॉलमेंट के तौर पर जबरदस्त प्रमोशन के बीच रिलीज हुई इस फिल्म की धमाकेदार ओपनिंग हुई है. हालांकि इसके पहले दिन के कलेक्शन एल 2: एम्पुरान और दृश्यम 2 को पार नहीं कर सके, लेकिन इस थ्रिलर ने मोहनलाल की कई हालिया रिलीज फिल्मों के ओपनिंग डे कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है. चलिए यहां जानते हैं दृश्यम 3 ने कितने करोड़ से शुरुआत की है? 'दृश्यम 3 साल की मच अवेटेड मलयालम फिल्मों में से एक थी. अजय देवगन स्टारर इस फिल्म का हिंदी रीमेक 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगा. वहीं मोहनलाल की दृश्यम 3 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है, मोहनलाल के फैंस ने जहां इस सस्पेंस फिल्म की सराहना की, तो वहीं अन्य ने स्टोरीलाइन और प्लॉट की आलोचना की. इन सबके बीच फिल्म ने घरेलू बाजार में अच्छी ओपनिंग की है. ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक 'दृश्यम 3 ने भारत में अपने पहले दिन 5506 शो से 15.85 करोड़ की कमाई की है. इसमें से 13.70 करोड़ मलयालम से, 0.45 करोड़ तमिल से, 1.50 करोड़ तेलुगु से और 0.20 करोड़ कन्नड़ से आए हैं. फिल्म की पहले दिन की ऑक्यूपेंसी 51.3त्न रही है, दृश्यम 3 ने विदेशों में भी शानदार परफॉर्म किया है. सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने अपने पहले दिन ओवरसीज में 25 करोड़ रुपये की कमाई की है. इसी के साथ, फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन अब 43.37 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. मोहनलाल की दृश्यम 3 रिलीज के पहले दिन ही वर्ल्डवाइड साल 2026 की 5वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन गई है. इसने भरतनाट्यम 2 मोहिनीअट्टम के 40.63 करोड़ के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है और अब अथिराडी को टक्कर देने की तैयारी में है! पहले वीकेंड के अंत तक, यह थ्रिलर फिल्म 2026 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन जाएगी. दृश्यम 3 को जीतू जोसेफ ने लिखा और निर्देशित किया है, और आशीर्वाद सिनेमाज के बैनर तले एंटनी पेरुम्बावूर ने इसका निर्माण किया है. इसमें मोहनलाल, मीना, अंसीबा हसन, एस्थर अनिल, मुरली गोपी, सिद्दीकी और आशा सरथ अपनी पुरानी भूमिकाओं को दोहराते हुए नजर आ रहे हैं. यह फिल्म दृश्यम और दृश्यम 2 की कहानी को आगे बढ़ाती है.

अंतरात्मा की आवाज पर चुना लुटेरी दुल्हन में ग्रे शेड वाला किरदार : सान्विका

वेब सीरीज पंचायत में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज लुटेरी दुल्हन में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया। अभिनेत्री से पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था? इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं। सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं लुटेरी दुल्हन थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है। अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है।

आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी।

शर्ट के कॉलर पर लगे जिद्दी दागों को साफ करने के लिए अपनाएं ये 5 सुझाव

भाग शर्ट के कॉलर पर अक्सर पसीने और गंदगी के जिद्दी दाग लग जाते हैं, जो आसानी से नहीं हटते। इन दागों के कारण शर्ट की चमक फीकी पड़ जाती है और वह गंदी दिखने लगती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपनी शर्ट के कॉलर को नए जैसा बना सकते हैं और इन दागों को आसानी से हटा सकते हैं। ये तरीके बिना ज्यादा मेहनत के अपनाए जा सकते हैं। बेकिंग सोडा और नींबू का मिश्रण एक बेहतरीन घरेलू उपाय है, जिससे आप शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को आसानी से हटा सकते हैं। इसके लिए बेकिंग सोडा में नींबू का रस मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें और उसे दाग वाली जगह पर लगाएं। कुछ मिनट बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग आसानी से हट जाएंगे और शर्ट का कॉलर नया जैसा दिखेगा। सिरके और साबुन का मिश्रण आजमाएं सिरके और साबुन का मिश्रण भी शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक कपड़े पर साबुन लगाएं, फिर उस पर सिरका डालें और उसे कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद इसे ब्रश से रगड़कर पानी से धो लें। इससे दाग पूरी तरह हट जाएगा और शर्ट का कॉलर फिर से साफ-सुथरा दिखेगा। यह तरीका न केवल प्रभावी है, बल्कि आपके कपड़ों को भी नया जैसा बनाए रखता है। हाइड्रोजन पेरॉक्साइड एक शक्तिशाली सफाई का साधन है, जो शर्ट के कॉलर से जिद्दी दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए कपड़े पर हाइड्रोजन पेरॉक्साइड लगाएं और कुछ मिनट छोड़ दें, फिर इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग पूरी तरह हट जाएगा और शर्ट का कॉलर फिर से साफ-सुथरा दिखेगा। इस तरीके से आप अपने कपड़ों को नया जैसा बनाए रख सकते हैं।

बेकिंग सोडा और पानी का घोल बनाएं

बेकिंग सोडा और पानी का घोल बनाकर उसे दाग वाली जगह पर लगाएं और कुछ मिनट छोड़ दें। इससे दाग नरम हो जाएगा और आसानी से हट जाएगा। इसके बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इस तरीके से न केवल दाग हटेंगे, बल्कि शर्ट का कॉलर नया जैसा दिखेगा। यह तरीका बहुत ही सरल और प्रभावी है, जिसे आप आसानी से अपना सकते हैं और अपने कपड़ों को साफ-सुथरा रख सकते हैं।

डिटर्जेंट और पानी का घोल लगाएं

डिटर्जेंट और पानी का घोल भी शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए डिटर्जेंट को पानी में मिलाकर एक घोल तैयार करें, फिर उसे दाग वाली जगह पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपनी शर्ट के कॉलर को साफ-सुथरा रख सकते हैं।

पीआर और पब्लिसिटी के सहारे नहीं काम से बनती है पहचानः मीनाक्षी

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि ने फिल्म इंडस्ट्री में बढ़ते पीआर कल्चर और पब्लिसिटी स्टंट को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि आजकल कई कलाकार अपने काम से ज्यादा अतरंगी फैशन, विवादित बयानों और मीडिया मैनेजमेंट के जरिए चर्चा में बने रहने की कोशिश करते हैं, लेकिन वह खुद इस तरह की संस्कृति का हिस्सा नहीं हैं। उनका मानना है कि किसी भी कलाकार की असली पहचान उसके काम और प्रतिभा से बनती है।

हाल ही में अपने एक साक्षात्कार में मीनाक्षी शेषाद्रि ने कहा कि मनोरंजन जगत में ऐसे कई लोग हैं, जो बिना किसी खास उपलब्धि के भी लगातार सुर्खियों में बने रहते हैं। उन्होंने फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' का जिक्र करते हुए कहा कि उस फिल्म का एक संवाद आज भी पूरी तरह सच साबित होता है कि यहां सिर्फ मनोरंजन चलता है। उनके मुताबिक कुछ कलाकार मीडिया और प्रचार के सहारे खुद को चर्चा में बनाए रखते हैं, लेकिन वह हमेशा अपने काम के दम पर पहचान बनाने में विश्वास रखती हैं। मीनाक्षी ने कहा कि सफलता पाने का सबसे सही तरीका अच्छा काम करना है। उन्होंने अंग्रेजी की मशहूर कहावत "सक्सेस इज़ द बेस्ट सक्सेस" का जिक्र करते हुए कहा कि जब कोई कलाकार मेहनत और कला के दम पर सफलता हासिल करता है, तो बाकी रास्ते अपने आप खुलते चले जाते हैं। उनके अनुसार कलाकार का पहला लक्ष्य दर्शकों का दिल जीतना होना चाहिए, न कि कृत्रिम प्रचार के जरिए लोकप्रियता हासिल करना। अभिनेत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब फिल्म इंडस्ट्री में पीआर गेम, सोशल मीडिया इमेज बिल्डिंग और ट्रोलिंग को लेकर लगातार बहस चल रही है। हाल ही में अभिनेत्री अमीषा पटेल ने भी इसी मुद्दे पर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था कि भारत में कलाकारों को हॉलीवुड सितारों से भी ज्यादा बेरहमी से ट्रोल किया जाता है, जो बेहद दुखद है। अमीषा पटेल ने कहा था कि सोशल मीडिया पर लोगों की मानसिकता अब दूसरों को नीचे गिराने वाली होती जा रही है। उन्होंने बड़े इवेंट्स में अभिनेत्रियों के कपड़ों, लुक और स्टाइल को लेकर होने वाली आलोचना पर भी सवाल उठाए।

GIMS Wins Best Management College Placement Award India 2026

New Delhi: GNIOT Institute of Management Studies (GIMS), a leading management institute in Greater Noida and the Delhi-NCR region, has been honoured with the prestigious "Best Management College Placement in India Award 2026" at the 7th National Education Conclave – Vision 2030 Education and Leadership Summit held in New Delhi.

The award was presented during the national-level education summit organized by IntiExcellent Chamber of Commerce and Industry, recognizing institutions that have demonstrated excellence in higher education, industry engagement, and student career development.

The recognition highlights GIMS's strong placement record, robust industry partnerships, and sustained efforts in equipping students with industry-relevant skills. The institute has consistently focused on enhancing employability through practical learning, corporate exposure, and professional development initiatives, helping students secure promising career opportunities across sectors.

Representing the institute, Ankita Chauhan, Deputy General Manager of the Placement Department, received the award on behalf of GIMS. She credited the achievement to the collective efforts of students, faculty members, alumni, corporate recruiters, and the Corporate Resource Center team.

Speaking on the occasion, Swadesh Kumar Singh, Chief Executive Officer of GIMS, described the recognition as a proud milestone for the institution. He stated that the institute remains committed to delivering quality education, industry-oriented training, and enhanced career opportunities while continuing to raise benchmarks in management education and placements.

Dr. Bhupender Som, Director of GIMS, emphasized the institute's focus on skill development, personality enhancement, and industry-driven education. He noted that the award reflects national recognition of the institution's strong academic framework and placement ecosystem.

Operating under the umbrella of the GNIOT Group of Institutions, GIMS continues to strengthen its position as a prominent management education institution dedicated to shaping future-ready professionals and expanding career opportunities for students across India.

'No place for genital mutilation in a modern society, and it's not just a Bohra issue'

New Delhi, Agency: More than a decade ago, when Masooma Ranalvi first spoke publicly about being subjected to khatna (the local term for female genital mutilation or FGM) at age seven, she helped push the practice within the Dawoodi Bohra community in India into the national spotlight. As the SC resumes hearings in the long-pending case in which she is a petitioner, fresh evidence from Kerala is also widening the debate beyond the Bohra community. Ranalvi, founder of WeSpeakOut, spoke to Mohua Das about why she believes the fight in India may be entering a new phase

It felt different. Earlier too, the three-judge bench - Justices Dipak Misra, Chandrachud and Khanwilkar - had made very positive observations. They questioned bodily integrity and spoke about child rights before the matter shifted into the religious space. This time, the core issue before the nine-judge bench is the conflict between Articles 25 and 26 of the Constitution - the individual's freedom of religion versus a denomination's right to manage its religious practices.We submitted that when a child is subjected to bodily alteration and mental suffering in the name of religious observance, it enters constitutional and criminal scrutiny. To this, Justice Bagchi remarked as far as FGM is concerned, the expressions 'health' and 'public health' themselves may be sufficient. What we are hoping for is recognition from the court that this is a child rights violation, a criminal act, and something that affects bodily integrity. If that happens, it will create pressure within the community and on the govt to make policy changes, run awareness campaigns, educate doctors, support survivors, and spread awareness about the harms of FGM. It also gives courage to people within the community who are still on the fence.

The FGM petition has now spent years moving between the Constitution benches and questions around religious practices. What has this long legal limbo meant on the ground for survivors and activists? That's an excellent question because nobody really cared what happened in the interim seven years.

Crack down on fake education institutions, HC tells Centre

New Delhi, Agency: Delhi HC has asked the Centre to act against the mushrooming of fake higher education institutions, noting that they harm the prospects of genuine students.

"Such a request is made by the court for the reason that students attracted to such institutions, if they pursue their courses, would ultimately suffer a waste of time, energy and resources, as they would end up obtaining degrees and qualifications that would not make them employable," Chief Justice DK Upadhyaya and Justice Tejas Karia said recently.A PIL sought affidavits from the central govt, UGC, and AICTE indicating the steps taken by them to check the mushrooming of such institutions.

Centre pushes Bengal to fast-track PM-JAY, HPV vaccination

New Delhi, Agency: The Centre on Friday pushed West Bengal to speed up rollout of Ayushman Bharat PM-JAY, HPV vaccination and TB elimination programmes, while assuring full support to strengthen the state's healthcare infrastructure. At a virtual review meeting chaired by Union Health Minister Jagat Prakash Nadda with West Bengal Chief Minister Suvendu Adhikari, the Centre released ?527.58 crore as the first tranche from the state's ?3,505.59 crore National Health Mission allocation for 2026-27.

Nadda stressed faster implementation of the TB Mukt Bharat Abhiyan, measles-rubella elimination campaign and HPV vaccination drive, saying preventive healthcare and early intervention were critical to reducing disease burden. He also called for stronger surveillance and monitoring of maternal and child health indicators, particularly in border districts.

The Union Health Minister urged the state to expedite signing of the MoU for implementation of PM-JAY, saying nearly 1.45 crore families, including senior citizens, would benefit from the scheme. He also said the Centre was ready to provide technical assistance, expert teams and training support for healthcare capacity building in the state. The meeting also reviewed preparedness against vector-borne diseases, expansion of Ayushman Arogya Mandirs, early screening for non-communicable diseases and availability of drugs and diagnostics at public health facilities.

Jammu-Srinagar Vande Bharat crosses 1 lakh passenger mark in just 22 days

Jammu, Agency: Jammu-Srinagar Vande Bharat Express, the first ever direct train flagged off between the two cities on May 2, achieved the unprecedented milestone of carrying 1.01 lakh passengers within just 22 days.

Northern Railway's senior divisional commercial manager, Uchit Singhal, said, "We have received extremely positive feedback from passengers regarding the train's comfort, safety and hospitality. This train has put an end to the traditional fatigue of the Jammu-Srinagar route." The train has operated with excellent punctuality and 100% reliability, said public relations inspector Raghvender Singh. "The travel between Jammu and Srinagar otherwise was dependent on national highway-44, which often faced disruptions due to landslides and inclement weather," he added.

Kashmir nomads file 'atrocity' complaint after demolition of their houses

Srinagar, Agency: Nomadic Gujjars and Backerwals, whose houses have been demolished by the administration, have filed a complaint with the police, alleging that "demolition of their tribal habitations" are in violation of the SC/ST (Prevention of Atrocities) Act, 1989, and Forest Rights Act, 2006.

They have sought action against the officials who razed around 30 habitations in Raika Bandi and Mahamaya forest belt in Jammu on Tuesday.

According to the Shama Akhtar, councillor of the area, the demolished structures were protected under the law and no prior notice, eviction order, rehabilitation plan or opportunity of hearing was provided to them before the demolition drive. "We have submitted the complaint with police and the deputy commissioner. We expect quick action," Akhtar said.

On Wednesday, the Omar Abdullah govt constituted a two-member committee to investigate the demolitions. According to an order issued by the tribal affairs department, the panel has been to submit its report within seven days.

The demolition, which led to widespread criticism and protests, has once again put the National Conference govt in the state at loggerheads with the LG administration. J&K's forest and tribal affairs minister Javed Ahmad Rana, who visited the area after the drive, said he was "deeply shocked and outraged by the clandestine unilateral demolition of homes".

Government asks Gymkhana Club to hand over premises, cites national security needs

New Delhi, Agency: Central govt has ordered Delhi Gymkhana Club (DGC), one of the oldest clubs in India, which is located next to PM's residence in Lutyens' Delhi, to hand over the premises by June 5 for the "strengthening and securing of defence infrastructure and other vital public security purposes". Govt had given 27.3 acres of land on perpetual lease to DGC in 1928. The Land and Development Office (L&DO) under housing and urban affairs ministry said it has ordered "re-entry" -- which means premature termination of lease and repossession -- with "immediate effect" of the property.

It added that upon such "re-entry", the entire plot of land, along with all its buildings, structures, lawns and fittings, "shall vest absolutely" with L&DO. The order directed DGC to "hand over peaceful possession of the premises"; in the event of noncompliance, possession "shall be taken over in accordance with law".

The club has been operated from 2, Safdarjung Road since 1913, when it was called Imperial Delhi Gymkhana Club. After Independence, it was renamed Delhi Gymkhana Club. The present buildings were constructed in the 1930s. For over a century, getting into DGC has been less about money and more about whether one fits into Delhi's 'elite class', since it symbolises power and privilege. The move to take back the land parcel comes at a time when L&DO has issued similar directives to occupants of other govt land along Lok Kalyan Marg. Though the exact purpose of the move is not yet known, people aware of the development did not rule out the possibility of this land parcel, along with others that would be vacated around the area, being utilised for redevelopment, including construction of highly secure residences and establishments for top govt functionaries.

The L&DO, in its notice, said the club is located in a highly sensitive and strategic area of Delhi. "The land is essential to fulfil urgent institutional needs, governance infrastructure and public-interest projects, integrated with resumption of adjoining govt lands," it said. In a communication to the members, the DGC's general secretary said that the General Committee (GC) had an urgent meeting on Saturday and decided to send an "immediate response" to L&DO requesting clarity on issues in the interests of members and employees.